मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 41 ■ अंक : 287 ■ बुधवार, 14 फरवरी 2024 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
/ulhasvikas संपादक - हीरो अशोक बोधा (BMM, L.L.B.) Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

7 महीने के ब्रेक के बाद काम पर लौटीं सामंथा

टेकचंदानी बिल्डर पर ईडी का छापा

■ बिल्डर के 22 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

उल्हासनगर. ईडी ने सोमवार को जेल में बंद आरोपी बिल्डर ललित टेकचंदानी से जुड़े मुंबई और नवी मुंबई में 22 ठिकानों पर छापेमारी की है. साथ ही 30 करोड़ की संपत्ति जब्त की है. जिसमें 27.5 लाख नकद और 29.73 करोड़ रुपये बैंक बैलेंस/फिक्स्ड डिपॉजिट। ईडी ने तलाशी अभियान के दौरान डिजिटल डिवाइस और अन्य दस्तावेजी सबूत भी जब्त किए हैं। मामले की आगे की जांच जारी है। टेकचंदानी को फ्लैट खरीदारों को धोखा देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

13 जनवरी को मुंबई पुलिस ने टेकचंदानी, उनकी पत्नी, उनकी कंपनी सुप्रीम कंस्ट्रक्शन के निदेशक और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ चेंबूर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया था। इस मामले में शिकायतकर्ता ने नवी मुंबई के तलोजा में टेकचंदानी की निर्माण परियोजना में 36 लाख रुपये का निवेश किया था। कंपनी ने उन्हें आश्वासन दिया कि प्रोजेक्ट 2017 में तैयार हो जाएगा। लेकिन, 2016 में इसका निर्माण अचानक रुक गया। सैकड़ों फ्लैट खरीदारों ने टेकचंदानी के प्रोजेक्ट में निवेश किया, लेकिन न तो उन्हें फ्लैट मिले और न ही उनके पैसे वापस मिले। इसके बाद उपभोक्ता की शिकायत के आधार पर टेकचंदानी और अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया। पिछले हफ्ते 19 जनवरी को टेकचंदानी और अन्य के खिलाफ नवी मुंबई के तलोजा पुलिस स्टेशन में एक और मामला दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार, टेकचंदानी पर नवी मुंबई के खारघर में अपनी कंपनी के हाउसिंग प्रोजेक्ट में 160 फ्लैट खरीदारों से 44 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप है।

क्राइम डायरी...

मोबाइल दुकान से 6 हजार रुपए चोरी

उल्हासनगर. हिललाइन पुलिस थाना अंतर्गत आकाश कालोनी, उल्हासनगर-5 स्थित एक मोबाइल रिपेयरिंग दुकान का शटर तोड़कर 6 हजार रुपए नकद चोरी कर लिए. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है.

धनंजय शिवनाथ गुप्ता (22) की आकाश कालोनी में तेजस मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान है. 1 फरवरी की रात 11 बजे से 2 फरवरी की सुबह 9 बजे के दरम्यान दुकान का शटर तोड़कर ड्रावर में रखे 6 हजार रुपए नकद चोरी हो गए. इस मामले में पुलिस ने बालकृष्ण गोवित पाल (24) (गायकवाड़ पाड़ा, अंबरनाथ पूर्व निवासी) को खिलाफ मामला दर्ज किया है.

20 मिनट में बदलापुर से पनवेल!

■ वडोदरा-जेएनपीटी हाईवे का काम जोरों पर
■ बेंडशील गांव के पास टनल का काम 50% पूरा
■ विकास की राह पर दौड़ेगा बदलापुर

उल्हासनगर. बदलापुर से नवी मुंबई हवाई अड्डे तक की दूरी अब बीस मिनट में तय की जा सकेगी। वडोदरा जेएनपीटी हाईवे का काम इस समय जोरों से चल रहा है, बदलापुर ईस्ट बेंडशील गांव से होकर गुजरने वाले जेएनपीटी हाईवे पर नवी मुंबई को जोड़ने वाली सुरंग का काम लगभग 50 फीसदी पूरा हो चुका है, अगले साल यह काम पूरा हो जाएगा , बदलापुर शहर सभी बड़े शहरों से निकटता से जुड़ा होगा, बदलापुर शहर अब समृद्धि की यात्रा शुरू कर चुका है।

राज्य में वडोदरा से जेएनपीटी हाईवे का काम जोरों पर है। यह आठ लेन का हाईवे होगा, जिसकी लंबाई 189 किमी और चौड़ाई 120 मीटर होगी। यह सड़क बदलापुर शहर के बेंडशील गांव से होकर गुजर रही है। तो बदलापुर शहर को भविष्य में वडोदरा और जेएनपीटी से सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी, पनवेल तालुका तक जाने के लिए पहाड़ों के बीच सुरंग खोदने का काम पिछले वर्षों से शुरू किया गया है।

आज तक, काम 50 प्रतिशत पूरा हो चुका है और पूरी सड़क जुलाई 2025 तक पूरी हो जाएगी, जिसके बाद सरकार का लक्ष्य सड़क को यातायात के लिए खोलना है। खास बात यह है कि इससे बदलापुर शहर सही मायने में संचार माध्यम से बदल जायेगा और बदलापुर शहर की कनेक्टिविटी कई बड़े शहरों से जुड़ जायेगी. इस राजमार्ग तक पहुंचने के लिए कल्याण तालुका के रायटे और बदलापुर के बेंडशील गांव से इंटरचेंज होगा।

महाराष्ट्र में वडोदरा जेएनपीटी हाईवे का काम प्रगति पर है। चूँकि यह राजमार्ग बदलापुर से होकर गुजरता है, यह राजमार्ग बदलापुर के पास एक लॉजिस्टिक हब के विकास को बढ़ावा देगा। वैकल्पिक तौर पर यहां उद्योग और रोजगार के नये अवसर भी पैदा होंगे. इसलिए, बदलापुर शहर की समृद्धि की यात्रा शुरू हो गई है और इस राजमार्ग के कारण बदलापुर शहर का देश में नाम होगा।

■ वडोदरा जेएनपीटी परियोजना के अधिकारियों ने किया दौरा

इस जगह पर पहाड़ों के बीच करीब साढ़े चार किलोमीटर लंबी सुरंग का काम चल रहा है और इस काम के पूरा होने के बाद बदलापुर शहर नवी मुंबई, मुंबई, पालघर, गुजरात जैसे प्रमुख शहरों से जुड़ जाएगा. बदलापुर से पनवेल की दूरी सिर्फ बीस मिनट में तय की जा सकेगी. इसके अलावा चालीस मिनट में मुंबई पहुंचा जा सकता है। आज, वडोदरा जेएनपीटी परियोजना के अधिकारियों ने स्थानीय विधायक किसन कथोरे के साथ सुरंग कार्य का निरीक्षण करने के लिए कार्य स्थल का दौरा किया। इस बार टनल में जाकर कार्यों का निरीक्षण किया गया.

युवक व उसके परिजनों को जान से मारने का प्रयास

अंबरनाथ. शहर पूर्व के बारकुपाडा में एक युवक पर हमला करते हुए उसे घायल कर दिया गया जब कि उसके भाई व पिता पर चाकू से वार कर जानलेवा हमला किया गया। रविवार रात साढ़े ग्यारह बजे के करीब बारकुपाडा के निवासी गणेश तुकाराम सूर्यवंशी की आरोपी जितेंद्र अमृतराव मिर्गे, गणेश जितेंद्र मिर्गे ने पहले हुए झगड़े के कारण बुरी तरह पिटाई कर दी उसके बाद उसके पिता व भाई को चाकू मारकर बुरी तरह घायल कर दिया। गणेश के पिता को उपचार के लिए जहां छत्रपति अस्पताल कलवा में भर्ती किया गया है तो वहीं उसके भाई मुकेश सूर्यवंशी की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जे जे अस्पताल मुंबई में भर्ती किया गया है।

पवार आगमन पर सिंधी समाज की गैरमौजूदगी से नाराजगी हुई स्पष्ट

उल्हासनगर. 27 मई 2023 को राकांपा नेता जितेंद्र आव्हाड द्वारा कालानी मंच पर कालानी की ही मौजूदगी में सिंधी समाज को अपशब्द कहे जाने का असर सोमवार को शरद पवार के आगमन पर भी देखने को मिला।

जिस तरह कैम्प 1 से 5 तक उपमुख्यमंत्री अजित पवार का स्वागत हुआ था उस तरह का स्वागत वरिष्ठ नेता शरद पवार का देखने नहीं मिला। इसका मुख्य कारण जितेंद्र आव्हाड से प्रति सिंधी समाज की नाराजगी बताई जा रही है। कालानी महल में भी शरद पवार का दौरा मीडिया में नजरअंदाज की खबर चलने के बाद अचानक आयोजित किया गया।

पवार सूत्रों ने कहा कि उनके शेड्यूल में कालानी महल का दौरा नहीं था। गंगोत्री को भी मिले नोटीस से यह बात स्पष्ट हो गई कि आव्हाड के प्रति सिंधी समाज की नाराजगी है। जिस कारण सिंधी समाज के व्यापारी पवार कार्यक्रम में गैर मौजूद रहे। गंगोत्री ने अपने वरिष्ठ नेता के प्रति आदर व्यक्त करते हुए आव्हाड के खिलाफ कोई प्रदर्शन नहीं किया। गंगोत्री ने कहा कि आव्हाड की इससे पहले भी कई बार जुबान फिसली है लेकिन वरिष्ठ नेता उन्हें अनदेखा कर रहे हैं। उन्हें जनता ही सबक सिखाएगी।

देश में सत्ता का दुरुपयोग और मौलिक अधिकारों का हनन

उल्हासनगर. देश तानाशाही की ओर बढ़ रहा है औरसंविधान के साथ-साथ शिक्षा पर भी हमला करने की कोशिश की जा रही है. अब अगर नहीं चेते तो संविधान को धक्का पहुंचेगा। उक्त विचार व्यक्त करते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस-शरद चंद्र पवार पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने उल्हासनगर में कहा कि कठिन समय में देश को खड़ा करने वाले पूर्व प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू की आलोचना करने वाले लोग सत्ता का दुरुपयोग कर रहे हैं और मौलिक अधिकारों का हनन कर रहे हैं।

संवैधानिक अधिकार परिषद के अध्यक्ष डॉ. रामचन्द्र जाधव, संयोजक एड. अनिल अहिरे, शंकर कांबले, प्रकाश जाधव ने कैंप-5 स्थित दशहरा मैदान में महा एलगार सभा का आयोजन किया। उस समय पवार बोल रहे थे. इस अवसर पर राष्ट्रवादी नेता जीतेंद्र आव्हाड़, महेश तपासे, सदामामा पाटिल और वरिष्ठ पत्रकार किरण सोनवणे ने भी मार्गदर्शन दिया.

पार्टी नेता जीतेंद्र आव्हाड़ ने कहा कि देश और राज्य की स्थिति गंभीर है और राज्य उत्तर प्रदेश और बिहार से आगे निकल गया है. देश में कहीं भी किसी विधायक ने थाने में गोली नहीं चलाई है. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शिक्षा का केंद्रीकरण किया जा रहा है ताकि आम नागरिकों के बच्चों को शिक्षा नहीं मिल सके.

शरद पवार ने कहा कि उन्हें संवैधानिक अधिकार परिषद द्वारा आयोजित बैठक में शामिल होना था. पवार ने कहा कि सभा के लिए भीड़ महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि इस सभा का उद्देश्य लोगों तक जाना चाहिए. जब देश आजाद हुआ तो देश के निर्माण के लिए पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के मंत्रिमंडल में शामिल बाबासाहेब अम्बेडकर और अन्य लोगों ने अपने जीवन का बलिदान दिया। लेकिन जिन्होंने देश का निर्माण किया. उनकी आलोचना हो रही है.

अंबरनाथ संभाजी ब्रिगेड ने निखिल वागले पर हुए हमले का किया निषेध

तहसीलदार को सौंपा पत्र

▶▶ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. वरिष्ठ पत्रकार-संपादक निखिल वागेल, एड. असीम सरोदे, विश्वंभर चौधरी के वाहन पर पुणे में हुए हमले के निषेध में शहर संभाजी ब्रिगेड की तरफ से अंबरनाथ तहसीलदार को निषेध पत्र दिया गया है. ये हमला निर्भय बनो कार्यक्रम के लिए वाहन से जा रहे निखिल वागले और सहकारी पुणे जाते समय हमलावरों ने लाठी डंडे से हमला 10 फरवरी को किया था. संभाजी ब्रिगेड द्वारा दिए गए निषेध पत्र में कहा गया है कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह डगमगा गया है. जिसके कारण अपराध बढ़ गए हैं. हाल ही में उल्हासनगर, दहीसर व अन्य ठिकानों पर नेताओं की हत्या, हत्या का प्रयास, खुलेआम दबंगों द्वारा गोली चलाना इसके जिम्मेदार गृहमंत्री फडणवीस हैं. कानून-व्यवस्था पर वह अंकुश नहीं कर पा रहे हैं. फडणवीस को गृहमंत्री पद सेइस्तीफा देना चाहिए. ऐसी मांग निषेध पत्र द्वारा संभाजी ब्रिगेड के पदाधिकारी सुनिल अहिरे ने की है. पत्र देते समय अहिरे से साथ प्रफुल थोरात, महेश चिकणे, किरण पाटिल, प्रदीप वानखेडे, समाधान सालवे आदि उपस्थित थे. इस समय सुनिल अहिरे ने कहा कि निखिल वागले पत्रकार पर हुए हमले का संभाजी ब्रिगेड निषेध व्यक्त करता है. महाराष्ट्र में अब पत्रकार भी सुरक्षित नहीं हैं. अंबरनाथ के पत्रकारों ने भी निखिल वागले पर हुए हमले का कड़े शब्दों में निषेध व्यक्त किया है.

कुछ डॉक्टर एलोपैथी दवाइयां बेचकर मरीजों से रकम ले रहे हैं

■ एफडीए ने भिवंडी में की कार्रवाई
■ 85 हजार की दवाइयां जब्त

▶▶ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ, उल्हासनगर, बदलापुर के कुछ डाक्टर बिना परवाना और फार्मासिस्ट के बिना दवाइयं बेच रहे हैं. विदित हो कि भिवंडी में मे. आरव आय अस्पताल में बिना फार्मासिस्ट, बिना परवाना बेचने के लिए रखी गई दवाइयां जब्त की गई है.

डॉक्टरों के पास एलोपैथी दवाइयों का परवाना नहीं था और फार्मासिस्ट भी नहीं था. ये दवाखाना डॉ. अश्विनी बाफना का बताया गया है. उन्होंने दवाई बेचने के लिए महाराष्ट्र राज्य दवा व्यवसायी परिषद के पास दर्ज किया हुआ परवाना नहीं था. डॉक्टर ने इस नियम का उल्लंघन किया है. निरीक्षक ने इन जब्त की गई दवाइयों में से कुछ दवाइयां जांच के लिए लेकर 85 हजार रुपयों की दवाइयं जब्त की हैं. एफडीए के सह आयुक्त नरेंद्र सुपे और उनके अधिकारियों ने ये कार्रवाई की है. उपरोक्त दर्ज तीनों शहरों में भी कुछ डॉक्टर जो अस्पताल चला रहे हैं, उनके पास भी एफडीए का लाइसेंस नहीं है और वह धड़ल्ले से मरीजों को अपने पास की दवाई पैसे लेकर बेच रहे हैं. हमें ये भी जानकारी मिली है कि कुछ डॉक्टर दवाइयों पर लिखे गए कीमत को हटाकर मनमानी रकम लिखकर मरीजों से पैसे वसूल कर रहे हैं, जो कि सही नहीं है. अगर डॉक्टर ही दवाई बेचने लगे तो अधिकृत रूप से लाइसेंस लेकर चला रहे मेडिकल स्टोर वाले कहां जाएंगे. ये कुछ डॉक्टर शेड्यूल एच वन का चार्ट भी नहीं बनाते हैं, जो कि मेडिकल स्टोर वाले बनाते हैं.

4 बांग्लादेशी धराए

नवी मुंबई. अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने वाले और पनवेल तहसील के विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले 4 बांग्लादेशियों को पनवेल शहर पुलिस ने हिरासत में लिया है. पुलिस ने इन सभी के खिलाफ भारत में घुसपैठ करने का मामला किया है. पनवेल शहर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक नितिन ठाकरे के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक प्रवीण भगत की टीम द्वारा उक्त कार्रवाई की गई. पुलिस के हाथ लगे आरोपियों का नाम समीउल बीरू काजी, मुबारक हाशिम अली गाजी, इकराम बादशाह शेख और रसल बाबुल शेख है. इन सभी को जब हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, तो पता चला कि वे बिना किसी वैध यात्रा दस्तावेज के और भारत-बांग्लादेश सीमा पर सिविल अधिकारी की लिखित अनुमति के बिना अवैध रूप से भारत में घुसे थे. इस जानकारी के आधार पर पनवेल शहर पुलिस द्वारा उक्त चारों के खिलाफ पासपोर्ट अधिनियम, 1967 की धारा 3 (ए), 12 (सी) के साथ-साथ विदेशी अधिनियम, 1946 की धारा 14 (ए) के तहत कार्रवाई शुरू की है.

अवैध रूप से मिट्टी डालकर पाटी जा रही वालधुनी नदी

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर से होकर बहने वाली नदी अनधिकृत निर्माण की चपेट में आ गई है। इस नदी क्षेत्र में कुछ भू-माफिया आकर अनाधिकृत निर्माण कर लेते हैं। इसी प्रकार, नदी में अनाधिकृत रूप से मिट्टी भरने का मामला सामने आया है और देखा गया कि वडोल गांव में एसटीपी प्लांट के पास कोई व्यक्ति नदी के तल में मिट्टी भर रहा है. पूर्व नगरसेविका सविता तोरणे ने इसकी शिकायत एक निवेदन के जरिए मनपा आयुक्त से की है.

उल्हासनगर शहर के मध्य से बहने वाली वालधुनी नदी भूमाफियाओं का शिकार बन रही है. कई स्थानों पर नदी तल का अतिक्रमण हो गया है। हर बरसात के मौसम में नदी का मनपा प्रशासन द्वारा साफ-सफाई का कार्य किया जाता है। जहां नदी तल को चौड़ा करने की प्रक्रिया चल रही है, वहीं नदी को मिट्टी से भरने का काम भी धड़ल्ले से चल रहा है. उल्हासनगर के वडोल गांव के एसटीपी प्लांट के सामने वालधुनी नदी तल में किसी ने मिट्टी डालना शुरू कर दिया है. ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उक्त भराव निर्माण कार्य हेतु नदी तल में मिट्टी भरकर डाला जा रहा है। इस बीच पैनल 12 की पूर्व नगरसेविका सविता तोरणे ने मनपा आयुक्त को निवेदन दिया है कि उक्त भराव को हटाया जाये. सामाजिक कार्यकर्ता शिवाजी रगड़े ने जल्द से जल्द इस भराव को नहीं हटाने पर तीव्र आंदोलन की चेतावनी दी है.

NCP विधायकों की अयोग्यता पर सुनवाई पूरी

■ 15 फरवरी से पहले फैसला!

मुंबई. शिवसेना विधायकों के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विधायकों की अयोग्यता पर जल्द ही फैसला आएगा। महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने विधायकों की अयोग्यता पर सुनवाई पूरी कर ली है। महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर 15 फरवरी से पहले फैसला सुनाएंगे। इसकी पुष्टि खुद स्पीकर ने की है। जानकारी के मुताबिक स्पीकर ने सुनवाई पूरी कर ली है। फैसला लिखने की प्रक्रिया चल रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने पहले 31 जनवरी तक फैसला सुनाने की डेडलाइन रखी थी, लेकिन स्पीकर ने अदालत से समय बढ़ाकर मांगा था। विधानसभा अध्यक्ष की ओर से कोर्ट में पेश सॉलिसिटर जनरल की ओर से मांग की गई थी स्पीकर शिवसेना विधायकों की अयोग्यता पर सुनवाई करने और फैसला सुनाने में व्यस्त थे। इसलिए थोड़ा समय बढ़ाकर दिया जाए। जिसके बाद अदालत ने 15 फरवरी तक समय दिया है।

गौरतलब है कि अजित पवार के साथ महायुति में शामिल होने वाले विधायकों को अयोग्य घोषित करने की मांग शरद गुट की ओर से की गई थी। शरद पवार की एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने अजित पवार सहित कुल 9 विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग की थी। जिसपर अध्यक्ष ने सुनवाई पूरी कर ली है। सुनवाई के दौरान जयंत पाटिल, अमोल कोल्हे, जितेंद्र आव्हाड सहित अजित पवार गुट के कुछ नेताओं का बयान दर्ज किया गया है।

■ शरद पवार को चुनाव आयोग से लग चुका झटका

एनसीपी में बगावत होने के बाद चुनाव के पास असली पार्टी किसकी है इसको लेकर सुनवाई शुरू थी। तो दूसरी तरफ विधायकों की अयोग्यता का मामला विधानसभा के अध्यक्ष के पास विचारधीन है। पिछले हफ्ते चुनाव आयोग ने फैसला दिया। चुनाव आयोग ने शरद पवार को बड़ा झटका देते हुए पार्टी का नाम और एनसीपी की निशानी घड़ी अजित पवार के हाथ मे बांध दी है। अब विधायकों की अयोग्यता पर फैसले की घड़ी है। अब देखना होगा कि विधानसभा अध्यक्ष शरद गुट की याचिका को मंजूर करते हैं या फिर वही होगा जो उद्धाव ठाकरे के साथ हुआ है।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 3 मार्च को

समझौते योग्य अदालती मामले को निपटाने का प्रयास

ठाणे. राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण और महाराष्ट्र राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के निर्देशों के अनुसार ठाणे जिला और सत्र न्यायालयों के साथ-साथ परिवार न्यायालय, श्रम न्यायालय, सहकारी न्यायालय, जिला उपभोक्ता के तहत ठाणे और पालघर जिलों में जिला न्यायालय और सभी तालुका न्यायालय विवाद निवारण आयोग, स्कूल न्यायपालिका, ऋण वसूली न्यायाधिकरण और अन्य अदालतों में 3 मार्च को सुबह 10.30 बजे राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया है.

यह राष्ट्रीय लोक अदालत ठाणे और पालघर जिलों के सभी न्यायालयों में लंबित मामले, जो दीवानी, समझौता योग्य, फौजदारी, वैवाहिक, 138 एन.आई. एक्ट (चेक से संबंधित) अधिनियम, बैंक वसूली मामले, मोटर दुर्घटना मुआवजा मामले, पारिवारिक विवाद, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण मामले, बिजली और पानी भुगतान मामले, राजस्व मामले और प्री-फाइलिंग मामले आदि को सुलह के लिए रखा जाएगा।

सभी पक्षों को लंबित मामलों के सौहार्दपूर्ण निपटारे के लिए लोक अदालत का लाभ उठाना चाहिए. अधिक से अधिक मामलों को लोक अदालत में रखने के लिए उस अदालत में आवेदन करना चाहिए जहां वे लंबित हैं। पहले से दायर मामले के संबंध में जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण या संबंधित तालुका कानूनी सेवा समिति को भी आवेदन करें। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, न्याय सेवा सदन, प्रथम तल, जिला न्यायालय परिसर, ठाणे से प्रत्यक्ष संपर्क कर या फोन नंबर 022-25476441 पर संपर्क करें. उक्त आह्वान ठाणे जिल्हा विधी सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष तथा प्रमुख जिल्हा व सत्र न्यायाधीश श्रीनिवास अग्रवाल व ठाणे जिल्हा विधि सेवा प्राधिकरण के सचिव ईश्वर सूर्यवंशी ने किया है.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

कतर से भारतीय नौ सैनिक रिहा,

कतर की जेल में बंद भारतीय नौसेनिकों को 18 महीने बाद जेल से रिहाई की सोमवार को जैसे ही खबर आई तो सारा देश ही झूम उठा। कुछ समय पहले इन अधिकारियों की मौत की सजा को अलग-अलग अवधि की जेल की सजा में बदल दिया गया था। तब देश को कम से कम यह संतोष तो था कि चलो हमारे नागरिकों की जान तो बच गई, पर देश यह भी प्रार्थना कर रहा था कि कतर की जेल में बंद भारतीय नागरिक रिहा होकर सकुशल देश वापस आ जाएं। बेशक, इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की विदेश नीति की बड़ी सफलता ही माना जाएगा कि कतर से फांसी की सजा घोषित हुए नागरिकों की आज रिहाई हो गई। वे सभी सकुशल और ससम्मान जनक तरीके से भारत की धरती पर वापस लौट आए। इस तरह से भारत की कुशल विदेश नीति को सारे संसार ने देखा और दांतों तले उंगलियाँ दबाकर आश्चर्य से देखते ही रह गये । अमूमन अरब देशों के शेख सामान्य तौर पर जासूसी के आरोप में सजा प्राप्त लोगों की सजा माफ नहीं करता. केन्द्र में मोदी सरकार के 2014 में गठन के बाद से भारत के अरब देशों के साथ संबंध लगातार सुधर रहे हैं। उसी के सार्थक परिणाम को भारतीय नौसैनिकों की रिहाई और घर वापसी के रूप में देखा जाना चाहिए। अब कुछ ही दिनों के बाद अबू धाबी में सनातन संस्कृति का भव्य मंदिर भी दुनिया देखेगी। अगर मोदी जी नहीं होते तो हम हिंदुस्तान की सरजमीं पर आज नहीं खड़े हो पाते'। अपनी रिहाई से खुश एक नौसैनिक ने भारत आने पर भारत मां की जय बोलते हुए कहा कि यदि नरेन्द्र मोदी ने खुद हस्तक्षेप नहीं किया होता तो आज हमारी रिहाई संभव नहीं थी। यह बड़ी उपलब्धि भारत के शक्तिशाली नेतृत्व का प्रभाव प्रमाण है। यह कूटनीतिक जीत 140 करोड़ देशवासियों की जीत है। आज प्रधानमंत्री मोदी की सफल विदेश नीति का डंका पूरे विश्व में बज रहा है। देश किस तेजी से बदल रहा है, यह जानने को लिए जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की पूर्व छात्र नेता शेहला रशीद के उस बयान को देखना होगा। वो एक दौर में देश विरोधी शक्तियों के साथ जुड़ी हुई थीं। उन्होंने भी नौ सैनिकों की रिहाई के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "मौत की सजा से घर वापसी तकः यह भारत के लिए एक बड़ी कूटनीतिक जीत है और इस तथ्य का प्रमाण है कि हमारी विदेश नीति प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सक्षम हाथों में है। प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने फिर असंभव को संभव कर दिखाया है।

भारतीय पुनर्जागरण के नायक महर्षि दयानंद सरस्वती

महर्षि दयानंद सरस्वती 19वीं सदी के भारत के एक ऐसे महान समाज सुधारक, दार्शनिक और धार्मिक नेता थे, जिन्होंने देशभर में भ्रमण कर वेद-वेदांतों के ज्ञान का प्रसार करने के साथ हिंदुओं को 'वेदों की ओर चलो' का नारा दिया. उन्होंने शास्त्रार्थ कर न सिर्फ धार्मिक कुरीतियों व खोखली परंपराओं को खत्म करने पर बल दिया, बल्कि सामाजिक उत्थान के साथ-साथ देश में ज्ञान की अलख जगायी. वे भारतीय पुनर्जागरण के अग्रणी नायकों में से एक थे.

भारत के महान ऋषि-मुनियों की परंपरा में, जिन्होंने इस देश में जागृति और उन्नति के लिए कार्य किया, उनमें महर्षि दयानंद सरस्वती जी का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है. दयानंद सरस्वती जी का जन्म 12 फरवरी, 1824 को टंकारा (गुजरात) में करसन जी लालजी तिवारी और यशोदाबाई के घर हुआ था. ब्राह्मण कुल में उत्पन्न बालक मूल शंकर को शिवरात्रि के दिन बोध प्राप्त हुआ. लिहाजा, वह सच्चे शिव की खोज के लिए 16 वर्ष की अवस्था में ही अचानक गृह त्याग कर एक विलक्षण यात्रा पर चल दिये. मथुरा में गुरु विरजानंद जी से शिक्षा प्राप्त की और इस मूल बात को समझा कि देश की वर्तमान दुर्दशा का मूल कारण वेद के सही अर्थों के स्थान पर गलत अर्थों प्रचलित हो जाना है. इसलिए समाज में धार्मिक आडंबर, अंधविश्वास, सामाजिक कुरीतियों का जाल फैल चुका है और हम अपने देश में ही दूसरों के गुलाम हैं.

देश की गरीबी, अशिक्षा, नारी की दुर्दशा, भाषा और संस्कृति के विनाश को देखकर दयानंद काफी

द्रवित हो उठे. कुछ समय हिमालय का भ्रमण कर और तप, त्याग, साधना के साथ वे हरिद्वार के कुंभ मेले से मैदान में कूद पड़े. उन्होंने अपनी बात को मजबूती और तर्क के साथ रखा. विरोधियों के साथ शास्त्रार्थ करके सत्य को स्थापित करने की कोशिश की. उनके जीवन का एक ही लक्ष्य था, 'जो सत्य है उसको जानो और फिर उसको मानो'. उन्होंने 'सत्य को ग्रहण करने और असत्य के छोड़ने में सर्वदा उद्यत रहना चाहिए' का प्रेरक वाक्य भी दिया. सभी धार्मिक, सामाजिक, राजनैतिक विषयों पर अपनी बात कहने के लिए उन्होंने 'सत्यार्थ प्रकाश' नामक कालजयी ग्रंथ की रचना की. उन्होंने पूरे देश का भ्रमण किया और सारा भारत ही उनका कार्यक्षेत्र रहा.

पाखंडियों ने यह प्रचलित कर दिया था कि गुरु का स्थान परमेश्वर से भी ऊंचा है. लोग परमेश्वर को छोड़ गुरु की सेवा सुश्रुषा में ही लगे रहते. महर्षि जी ने इसका खंडन किया. उन्होंने कहा, 'ईश्वर सब गुरुओं का भी गुरु है. सृष्टि रचना, पालन और प्रलय करने वाले सर्वशक्तिमान परमेश्वर के तुल्य गुरु कभी नहीं हो सकता. परमेश्वर ही सर्वोपरि है'. उस दौर में कुछ लोगों ने अश्वमेध यज्ञ, गोमेध यज्ञ व नरमेध यज्ञ का गलत अर्थ बताकर बलि प्रथा को धार्मिक अनुष्ठान घोषित कर रखा था. पर उन्होंने शास्त्रों से प्रमाण देकर बलि प्रथा को पाखंड सिद्ध किया. उन्होंने भूत, प्रेत, पिशाच, डाकिनी, चुड़ैल, जादू, टोना, चमत्कार जैसे समाज में प्रचलित अंधविश्वासों का भी कड़ा विरोध किया. उन्होंने धार्मिक कार्यों के नाम पर नशा करने की प्रवृत्ति को अधर्म घोषित किया.

जातिवाद के विरुद्ध शंखनाद

महर्षि जी ने देश में फैले जातिवाद का हर स्तर पर विरोध किया. उन्होंने कई प्रमाण और तर्क देकर सिद्ध किया कि इन प्रचलित जन्मना जातियों का कोई शास्त्रीय आधार नहीं है और न ही इनका कोई उल्लेख किसी शास्त्र में मिलता है. जन्मना जाति व्यवस्था वेद-विरुद्ध है, इसलिए जन्म पर आधारित जाति व्यवस्था का समूल नाश होना चाहिए. वे कहते थे, 'गुण-कर्म-स्वभाव आधारित वर्ण व्यवस्था ही वेद सम्मत है'. कुछ लोगों ने शूद्रों के वेद पढ़ने पर रोक लगा रखी थी. महर्षि जी ने घोषणा की, 'वेद पढ़ना प्रत्येक मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है. सब मनुष्यों को बिना भेदभाव के समान अधिकार मिलने चाहिए. कोई व्यक्ति जन्म के आधार पर ऊंचा या नीचा नहीं हो सकता'. उन्होंने जन्म के आधार पर छुआछूत का प्रबल विरोध किया. साथ ही उन्होंने सभी हिंदुओं से जाति बंधन तोड़ आपस में विवाह करने का भी आह्वान किया.

दूसरों के साथ अपना क्रोध बाँटने के बजाय हमें उनके साथ अपनी आत्मा की शांति बाँटनी चाहिए।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चौनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

लॉजिस्टिक लागत घटने का परिदृश्य

इन दिनों राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत में लॉजिस्टिक लागत घटने से संबंधित जो अध्ययन रिपोर्टें प्रकाशित हो रही हैं, उनके आधार पर भारत में वर्ष 2024 में विनिर्माण, कारोबार, निर्यात और रोजगार के मौके बढ़ाने में घटती हुई लॉजिस्टिक लागत की अहम भूमिका होगी। हाल ही में उद्योग व आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने 'भारत में लॉजिस्टिक्स लागत : आकलन और दीर्घावधि फ्रेमवर्क' रिपोर्ट 2023 को जारी करते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 में भारत की लॉजिस्टिक्स लागत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 7.8 से 8.9 प्रतिशत के बीच रही है। इस लॉजिस्टिक लागत में यातायात लागत, वेयर हाउसिंग और भंडारण लागत, सहायक सहायता सेवाओं की लागत, पैकेजिंग की लागत, बीमा लागत और अन्य संचालन लागतें शामिल की गई हैं। नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकानॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) द्वारा विश्व बैंक के निर्धारित मापदंडों पर तैयार की गई इस रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में जमीनी स्तर पर बुनियादी ढांचे, डिजिटलीकरण, अंतरराष्ट्रीय शिपमेंट तथा यातायात के साधनों में बड़े निवेश और आधुनिकीकरण जैसे अहम कारणों से लॉजिस्टिक लागत में बड़ी कमी आई है। उल्लेखनीय है कि विश्व बैंक के लॉजिस्टिक प्रदर्शन सूचकांक रिपोर्ट 2023 के तहत भी भारत 6 पायदान की छलांग के साथ 139 देशों की सूची में 38वें स्थान पर पहुंच गया है। भारत 2018 में इस सूचकांक में 44वें तथा 2014 में 54वें स्थान पर था। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में जिस रणनीतिक रूप से पीएम गति शक्ति

योजना 2021 और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति (एनएलपी) 2022 का कार्यान्वयन शुरू किया गया है, उससे भारत में लॉजिस्टिक लागत में कमी का परिदृश्य लगातार उभरकर दिखाई देने लगा है।

ज्ञातव्य है कि सामान्यतः वस्तु के उत्पादन में कच्चे माल की लागत पहले क्रम पर और मजदूरी की लागत दूसरे क्रम पर होती है। फिर लॉजिस्टिक लागत का क्रम आता है। उत्पादों एवं वस्तुओं को उत्पादित स्थान से गंतव्य स्थान तक पहुंचाने तक लगने वाले परिवहन, भंडारण व अन्य खर्च को लॉजिस्टिक खर्च कहा जाता है। जहां डीपीआईआईटी के द्वारा हाल ही में प्रस्तुत रिपोर्ट में लॉजिस्टिक लागत नौ फीसदी से भी कम रहने की बात कही गई है, वहीं लॉजिस्टिक से जुड़े कई संगठनों की अध्ययन रिपोर्टों में भारत में लॉजिस्टिक की लागत जीडीपी के 10 फीसदी से अधिक होने के अनुमान भी प्रस्तुत किए जा रहे हैं। वस्तुतः कोई एक वर्ष पहले 17 सितंबर 2022 को लांच हुई राष्ट्रीय लॉजिस्टिक पॉलिसी का लक्ष्य पांच साल में देश में लॉजिस्टिक लागत को घटाकर 8 फीसदी करना है। साथ ही इसका लक्ष्य 2030 तक कम लॉजिस्टिक खर्च वाले दुनिया के टॉप 25 देशों की सूची में देश को भी कम लॉजिस्टिक लागत वाले देश के रूप में स्थान दिला पाना भी है। इसका लक्ष्य माल परिवहन की लागत घटाकर सभी प्रकार के उद्योग-कारोबार को बढ़ावा देना और वैश्विक व्यापार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाना भी है। चूंकि वर्तमान में लॉजिस्टिक्स का ज्यादातर काम सडक़ों के जरिए होता है, अतएव अब इस नीति के तहत रेल ट्रांसपोर्ट के साथ-साथ शिपिंग और एयर ट्रांसपोर्ट पर जोर दिया जा रहा है। लगभग 50 प्रतिशत कार्गो को रेलवे के जरिए भेजे जाने का लक्ष्य आगे बढ़ाया जा रहा है और सडक़ों पर ट्रैफिक को कम किया जा रहा है।

मिल गया दुनिया का सबसे पुराना अंडा

अगर आपसे पूछा जाए कि दुनिया का सबसे पुराना अंडा कितने साल पुराना हो सकता है तो आप क्या कहेंगे? मगर शर्त ये है कि अंडा पूरी तरह

जरा हट के

से सही सलामत होना चाहिए बाहर से भी और अंदर से भी. क्या आप यकीन करेंगे कि ऐसा अंडा 1700 साल पुराना हो सकता है. पर इंग्लैंड में एक पुरातत्व स्थल की खुदाई में ऐसा ही एक अंडा मिला है जिसको स्कैन करने पर पता चला है कि यह पूरी तरह से सही सलामत है. इतने समय तक अंडे का सुरक्षित रह पाना अपने

आप में हैरत में डालने वाला है.

इंग्लैंड के बकिंघमशायर में ऐलिसबरी के बेरीफील्ड में मिले रोमन युग के दौर के समय के इस अंडे के अंदर आज भी तरल पीला और सफेद हिस्सा कायम है. इसकी पड़ताल करने पर पाया गया कि यह अंडा 1700 साल पुराना है. करीब चार सेमी चौड़ा यह अंडा एक पानी से भरे गड्ढे में मिला है.

माना जा रहा है कि इसी कारण से यह अंडा इतनी सदियों तक सुरक्षित बना रहा. जब विशेषज्ञों ने इस का स्कैन किया तब उन्हें पता चला कि अंडा तो अंदर से पूरी तरह से सुरक्षित है. डीजीबी कंजरवेसन की पुरातत्वविद ड़ैना गुजबर्न ब्राउन का कहना है कि इस अंडे के अंदर एक हवा का बुलबुला भी है.

इसी बुलबुले के जरिए ही उन्हें पता चल सका कि अंदर तरल पदार्थ बने हुए हैं. जब उन्होंने देखा अंडा हिलाने पर बुलबुला भी हिलता है. इस जगह पर ऐसे चार अंडे मिले थे, लेकिन इनमें से तीन खुदाई के दौरान टूट गए थे. इस तरह के अंडे पहले भी पुराने रोमन स्थलों में पर मिले हैं, लेकिन इस तरह से पूरा का पूरा अंडा कभी नहीं मिला है.

गुडबर्न ब्राउन का कहना है कि इस तरह से अंडे के अंदर के जैविक पदार्थ भी इतने लंबे समय तक कायम नहीं रहा पाते हैं जब तक कि हालात कुछ अलग ही ना हों और इस वजह से उन तक ऑक्सीजन ना पहुंच रहा हो. माना जा रहा है कि किसी ने अच्छे शगुन के तौर अंडों को एक बास्केट में रख कर छोड़ दिया था. रोमन समाज में अंडा ऊर्वरता और फिर से पैदा पाने के संकेत के तौर देखा जाता था. .

पीले चावल

- तेजपत्ता
- हरी इलायची

विधि

मां सरस्वती के भोग के लिए पीला चावल बनाना बेहद आसान है। इसके लिए सबसे पहले केसर को

एक कटोरी पानी में भिगो कर रख दें। इसके बाद चावलों को अच्छी तरह से साफ करके धो लें।

अब एक पैन में घी डालें और फिर घी गर्म होने के बाद उसमें इलायची, काजू और बादाम डालकर सही से भूनें। जब ड्राईफ्रूट भुन जाएं तो इसे निकाल कर इस पैन में चावल डालकर उसे दो मिनट के लिए सही से भूनें। अब इसे पानी डालकर पकने दें।

जब चावल पक जाएं तो एक अलग पैन में चीनी डालकर चाशनी तैयार करें। इस चाशनी में फ्लेवर के लिए लौंग डालना ना भूलें। चाशनी बनने के बाद इसमें पके हुए चावल और केसर का पानी डाल कर सही से मिक्स करें।

अब चाशनी वाले चावलों को सही तरह से मिक्स करें। जब चाशनी सूखने लगे तो इसमें ऊपर से भूने हुए मेवे और इलायची पाउडर डाल दें। बस आपके ये चावल तैयार हैं। इसका भोग आप मां सरस्वती को लगा सकते हैं।

हर साल माघ माह की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को वसंत पंचमी का त्योहार मनाया जाता है। इस साल ये तिथि 14 फरवरी के दिन पड़ रही है। मां सरस्वती को पीला रंग काफी पसंद है। इसी के चलते बहुत से लोग इस दिन पीला रंग ही पहनते हैं। इसके साथ ही वसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती को प्रसन्न करने के लिए उनकी पूजा में उनकी प्रिय वस्तुओं का भोग अवश्य लगाया जाता है। मां सरस्वती को पीला रंग अत्यंत प्रिय है, ऐसे में आप पीले मीठे चावल का भोग उन्हें लगा सकते हैं। हम आपको इसे बनाने की आसान विधि बताने जा रहे हैं।

सामग्री

- 1 कप चावल
- स्वादानुसार चीनी
- 5 कप पानी
- 1 से 2 केसर
- 3 से 4 चम्मच घी
- लौंग
- काजू
- बादाम

रक्त वाहिकाओं को मजबूत रखने के लिए बहुत लाभकारी हैं ये तीन चीजें

ब्लड प्रेशर भी रहेगा कंट्रोल

शरीर में रक्त के संचार को व्यवस्थित बनाए रखने के लिए रक्त वाहिकाओं का स्वस्थ और मजबूत रहना बहुत जरूरी माना जाता है। वाहिकाओं में कमजोरी या फिर इसमें होने वाले जमाव के कारण रक्त का संचार प्रभावित हो सकता है, जो कई प्रकार की समस्याओं का कारण बन सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आहार और लाइफस्टाइल की कई गड़बड़ आदतों के कारण वाहिकाओं से संबंधित समस्याओं को खतरा बढ़ता जा रहा है।

शोध बताते हैं कि आहार में कुछ चीजों को शामिल करके रक्त वाहिकाओं के विकारों को कम करने और इसे मजबूत बनाने में लाभ मिल सकता है। आइए ऐसी ही कुछ चीजों के बारे में जानते हैं, जिन्हें दैनिक आहार का हिस्सा बनाकर आप कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

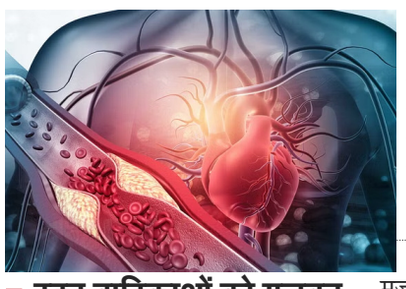

रक्त वाहिकाओं को मजबूत बनाने वाले आहार

आप जो कुछ भी खाते हैं उसका आपके समग्र स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि एल्कलाइन बेस्ड डाइट के सेवन से आपको विशेष लाभ मिल सकता है। ये खाद्य पदार्थ आपको बीमारियों से बचाने, हृदय स्वास्थ्य में सुधार करने और रक्तचाप को कम करने में भी लाभकारी हैं।

रक्त वाहिकाओं में जमाव को कम करने और इसको चौड़ा करके रक्त के प्रवाह को ठीक बनाए रखने में भी एल्कलाइन से भरपूर चीजों के सेवन से लाभ पाया जा सकता है। अधिकांश फल और सब्जियां, सोयाबीन और टोफू, कुछ सूखे मेवे, सी में इसकी भरपूर मात्रा होती है।

चुकंदर खाने के फायदे

रक्त वाहिकाओं को स्वस्थ और मजबूत बनाने के लिए कुछ और चीजों जैसे चुकंदर को आहार में शामिल करके भी लाभ पाया जा सकता है। यह जड़ वाली सब्जी नाइट्रेट से भरपूर होती है, जिसे आपका शरीर नाइट्रिक ऑक्साइड में बदल देता है। नाइट्रिक ऑक्साइड आपकी रक्त वाहिकाओं को प्राकृतिक रूप से ढीला करने और रक्त के प्रवाह को बेहतर बनाने में मदद करता है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि चुकंदर के सेवन से आपके सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर को भी कम करने में मदद मिल सकती है।

लाल मिर्च को भी बनाएं आहार का हिस्सा

लाल मिर्च को वैसे तो कम खाना चाहिए पर अगर संयमित मात्रा में इसका सेवन किया जाए तो शरीर को इससे कई प्रकार के लाभ हो सकते हैं। लाल मिर्च में कैप्साइसिन नामक यौगिक होती है जो आपकी धमनियों को अच्छी तरह से काम करने में मदद कर सकती है। यह आपकी रक्त वाहिकाओं में मांसपेशियों को आराम देने में भी मददगार है जिससे रक्त आसानी से प्रवाहित हो सके। संयमित मात्रा में इसका सेवन करने से ब्लड प्रेशर की दिक्कतों को भी कम किया जा सकता है।

मछलियां हैं बहुत लाभकारी

यदि आपके मन में सवाल उठता है कि मछलियां क्यों इतनी फायदेमंद मानी जाती हैं, तो इसका एक कारण इससे वाहिकाओं को होने वाला लाभ भी है। सैल्मन, मैकेरल जैसी फैटी मछलियां ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होती हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि ये यौगिक आपके परिसंचरण को ठीक रखने में मददगार हैं। मछली खाने से न केवल आपका रेस्टिंग ब्लड प्रेशर कम होता है, साथ ही ये आपकी धमनियों को साफ रखने और किसी प्रकार के जमाव को कम करने में भी सहायक है।

आज का राशिफल

मेष : घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विरोध होगा। विवाद से क्लेश होगा, इससे बचें। पुराना रोग उभर सकता है। जल्दबाजी न करें।

वृषभ : शत्रु सक्रिय रहेंगे। शारीरिक कष्ट संभव है। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी।

मिथुन : अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बढ़ सकती है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। तनाव रहेगा। पुराना रोग उभर सकता है। लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी व्यक्ति की बातों में न आएं। लाभ होगा।

कर्क : धन हानि संभव है, सावधानी रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद से बचें। शत्रु शांत रहेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा।

सिंह : कष्ट, तनाव व चिंता का वातावरण बन सकता है। शत्रु पस्त होंगे। धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने में रुझान रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा। ड्रोयर मार्केट से मनोनुकूल लाभ होगा।

कन्या : पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी साधु-संत का आशीर्वाद मिल सकता है। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेंगे। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। लंबित कार्य पूर्ण होंगे। प्रमाद न करें।

तुला : पुराना रोग उभर सकता है। दूर से दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। किसी व्यक्ति के व्यवहार से अप्रसन्नता रहेगी। अपेक्षित कार्य विलंब से होंगे। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। किसी व्यक्ति विशेष की नाराजी झेलना पड़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

वृश्चिक : कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। थकान व कमजोरी रह सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। नौकरी में शांति रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। मित्रों का सहयोग रहेगा।

धनु : जल्दबाजी न करें। कोई समस्या खड़ी हो सकती है। शरीर शिथिल हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। भूमि व भवन इत्यादि की खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। प्रमाद न करें।

मकर : यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। मित्रों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। रुके कार्यों में गति आएगी।

कुंभ : जल्दबाजी से चोट लग सकती है। दूर से शोक समाचार मिल सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी अपने ही व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। नौकरी में कार्यभार रहेगा।

मीन : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बेचैनी रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

किडनी पेशेंट के लिए कौन-सी दाल है बेस्ट

शरीर के सभी अंगों का सही तरह से काम करना बहुत जरूरी है। किड़नी शरीर के उन अंगों में से एक है जो टॉक्सिन को बाहर निकालने में मदद करती है। किडनी को स्वस्थ रखने के लिए रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए। वहीं, किडनी को स्वस्थ रखने के लिए डायट का ख्याल रखना चाहिए। जिन लोगों की किडनी डैमेज हो जाती है उन लोगों को खा स क र खानपान पर ध्यान देना चाहिए। वैसे तो दाल सेहत के लिए फायदेमंद है लेकिन किडनी के मरीजों को कुछ दालों से परहेज करना चाहिए। यहां जानिए किडनी पेशेंट के लिए बेस्ट दाल।

मूंग दाल

किडनी के मरीजों के लिए मूंग दाल प्रोटीन का सबसे अच्छा स्रोत है। इसकी खिचड़ी खाना अच्छा माना जाता है। खिचड़ी में दाल के साथ चावल का इस्तेमाल किया जाता है। इसका मिक्स अमीनो एसिड की जरुरत को पूरा करता है, जिससे यह पूर्ण प्रोटीन स्रोत बन जाता है।

अरहर दाल

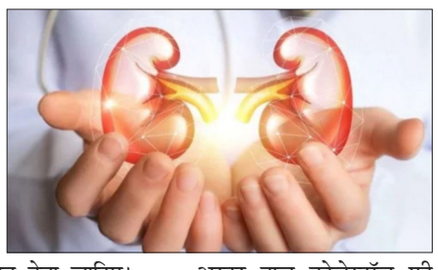

अरहर दाल कोलेस्ट्रॉल फ्री होती है और इसमें पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन और फाइबर होता है। इसके अलावा, यह पाचन के लिए अच्छी है। वहीं ये पेट के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए एक हेल्दी ऑप्शन है।

सीमित मात्रा में खाएं ये दाल

उड़द दाल

उड़द की दाल शरीर में यूरिक एसिड के प्रोडक्शन को बढ़ाती है, जिसे किडनी को निकालना होता है। यह दाल किडनी फेलियर से पीड़ित व्यक्ति की किडनी पर प्रेशर डाल सकता है। ऐसे में इसे कम मात्रा में खाना बेहतर है।

मसूर की दाल

मसूर दाल में ज्यादा मात्रा में फोलेट, पोटेशियम, ट्रिप्टोफैन, कॉपर, आयरन होता है। इस दाल को खाने के बाद किडनी को वेस्ट प्रोडक्ट को बाहर निकालने में ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। किडनी की बीमारियों से पीड़ित लोगों को कम मात्रा में इस दाल को खाना बेहतर है।

चना दाल

चना दाल को पचने में काफी समय लगता है। ऐसे में किडनी की बीमारी से पीड़ित व्यक्तियों को इसका कम से कम मात्रा में सेवन करना चाहिए। डायलिसिस वाले पेशेंट को इसे खाने से बचना चाहिए।

दाल खाने के लिए किडनी पेशेंट अपनाएं ये तरीका?

किडनी पेशेंट दाल पकाने से पहले उसे पानी में जरूर भिगोएं। इससे दाल में पोटेशियम की मात्रा कम हो जाएगी, जिससे किडनी पर भार कम करने में मदद मिलेगी।

सर्दी-जुकाम से छुटकारे के लिए पीएं बेसन का शीरा

बदलते मौसम में खांसी-जुकाम और गला खराब होने जैसी आम समस्या लोगों को होती रहती हैं। इन दिनों मौसम में कभी तेज धूप होती है तो कभी तेज ठंडी हवा लोगों को परेशान कर देती है। इससे राहत पाने के लिए कुछ नुस्खे काम आ सकते हैं। शरीर को गर्म रखने के लिए बेसन का शीरा फायदेमंद है। किसी को अगर तेज सर्दी और जुकाम है तो वह भी शीरा पीने पर ठीक हो सकता है।

बेसन का शीरा बनाने के लिए आपको चाहिए...

2 कप दूध
1.5 बड़ा चम्मच बेसन
1/4 चम्मच साबुत काली मिर्च का पाउडर
एक चुटकी हल्दी पाउडर
3 चम्मच गुड़
1 बड़ा चम्मच घी
1 बड़ा चम्मच बादाम
4-5 इलायची

कैसे बनाएं शीरा

1) इसे बनाने के लिए एक सॉस पैन में घी गर्म करें, और फिर उसमें बेसन डालें। इसे सुनहरा और खुशबूदार होने तक धीमी आंच पर भून लें।

2) जब ये भुन जाए तो इसमें कुटी हुई इलायची और बादाम डालें।

3) धीरे-धीरे दूध डालें और अच्छी तरह फेंटें ताकि गुठलियां न पड़ें।

4) फिर इसमें हल्दी और पिसी हुई काली मिर्च डालें।

5) इसे 5 मिनट तक फेंटें जब तक यह थोड़ा गाढ़ा न हो जाए।

6) आंच बंद कर दें, और फिर गुड़ पाउडर मिलाएं। ध्यान रखें की गुड़ को सबसे अंत में आंच बंद करने के बाद ही डालें, अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो दूध फटने के चांस बढ़ सकते हैं।

7) सर्दी और खांसी से तुरंत राहत पाने के लिए गर्म बेसन का शीरा रात को सोते समय पीएं।

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

शंभू बॉर्डर पर फायरिंग से बिगड़े हालात

- नारे लगाते तोड़ डाले बैरिकेड
- किसानों के आगे फेल हो रहे इंतजाम

अंबाला. MSP पर फसलों की खरीद की गारंटी समेत 12 सूत्री मांगों के समर्थन में दिल्ली आ रहे पंजाब के किसानों की पंजाब-हरियाणा की सीमा शंभू बॉर्डर पर पुलिस से भिड़ंत हो गई है। पुलिस ने किसानों को हरियाणा में दाखिल होने से रोकने के लिए बॉर्डर पर बैरिकेडिंग कर रखी है, जिसे किसानों ने तोड़ने की कोशिश की। इसके बाद पुलिस और किसानों में भिड़ंत हो गई। बैरिकेडिंग तोड़ता देख पुलिस ने किसानों पर कई राउंड आंसू गैस के गोले दागे हैं। इससे हालात और बिगड़ गए हैं।

समाचार एजेंसी ANI ने इस घटना का वीडियो शेयर किया है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि पुलिस प्रदर्शनकारियों पर गोले दाग रही है। इसके बाद प्रदर्शनकारी किसान भागते दिख रहे हैं। एक अन्य वीडियो में किसानों को नारा लगाते हुए ट्रैक्टर के सहारे बैरिकेडिंग हटाते हुए देखा जा सकता है।

अधिकारियों ने बताया कि किसानों के 'दिल्ली चलो' मार्च में शामिल युवाओं के एक समूह ने अंबाला में शंभू सीमा पर लगाए अवरोधक तोड़ने की कोशिश की

जिसके बाद हरियाणा पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि कुछ किसानों को शंभू सीमा के समीप हिरासत में भी लिया गया है।

अधिकारियों के मुताबिक, जब कुछ युवाओं ने लोहे के अवरोधक तोड़े और इसे घग्घर नदी पुल से फेंकने की कोशिश की तो पुलिस को आंसू गैस के कई गोले छोड़ने पड़े। उन्होंने बाद में आंसू गैस का गोला गिराने के लिए एक ड्रोन का भी इस्तेमाल किया।

बता दें कि किसानों ने फसलों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी देने समेत अन्य मांगों को लेकर दो केंद्रीय नेताओं के साथ बैठक बेनतीजा रहने के बाद दिल्ली की ओर कूच करने का फैसला किया। कई किसानों ने अपने ट्रैक्टर-ट्रॉली के साथ फतेहगढ़ साहिब से सुबह करीब 10 बजे मार्च शुरू किया और वे शंभू सीमा के जरिए दिल्ली की ओर बढ़ रहे हैं। फतेहगढ़ साहिब और शंभू सीमा के बीच दूरी करीब 35-40 किलोमीटर है।

किसानों के ट्रैक्टर ट्रॉली के काफिले को राष्ट्रीय राजमार्ग पर शंभू सीमा की ओर बढ़ते हुए देखा गया। ट्रैक्टर-ट्रॉली में बुजुर्ग, युवा और महिलाओं को बैठे हुए देखा गया। हरियाणा की ओर तैनात सुरक्षा कर्मियों ने पंजाब की ओर से सीमा पर आ रहे युवाओं के एक समूह को शंभू सीमा के समीप अवरोधकों से दूर रहने को भी कहा। हरियाणा में प्राधिकारियों ने कंक्रीट के अवरोधक, लोहे की कीलों और कंटीली तारों का इस्तेमाल कर अंबाला, जींद, फतेहाबाद, कुरुक्षेत्र और सिरसा में कई स्थानों पर पंजाब के साथ राज्य की सीमाओं की किलेबंदी कर दी है।

खबरें गांव की...

शादी समारोह में टेंट लगाने को लेकर भड़का फौजी, दूल्हे समेत 6 लोगों को मारी गोली

गोंडा. गोंडा से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां शादी समारोह के दौरान टेंट लगाने को लेकर हुए विवाद में फौजी ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। इस फायरिंग में 6 लोगों को गोली लग गई। जिसमें से एक महिला की मौत जबकि 5 गंभीर रूप से घायल हो गए। ये घटना छपिया थाना क्षेत्र के महुलीखोरी गांव का है। जहां बाबूराम जायसवाल के छोटे बेटे अमनदीप उर्फ विक्की की मंगलवार को शादी थी। बारात ले जाने की तैयारी चल रही थी। दरवाजें पर टेंट भी लगाया जा रहा था। इस दौरान पड़ोसी भारतीय थलसेना के एक जवान से टेंट लगाने को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते फौजी ने अपना आपा खो दिया और बाबूराम जायसवाल के परिजनों पर 10-12 राउंड फायरिंग कर दी। इस वारदात में दूल्हे अमनदीप के पैर में गोली लगी। जबकि उसकी 60 साल की बुआ चंद्रपती की मौके पर ही मौत हो गया। इसके अलावा रामदेव, पिंकी, सत्यम और लक्ष्मी को भी गोली लगी। वहीं इस वारदात से शादी का माहौल मातम में तब्दील हो गया।

बिन शादी के ही विधवा बन गईं दो महिलाएं, सालों से उठा रही थीं पेंशन का लाभ

मथुरा. मथुरा से अजब-गजब मामला सामने आया है। जहां जिला प्रोबेशन विभाग ने ऐसी महिलाओं की भी विधवा पेंशन जारी कर दी, जिनकी शादी ही नहीं हुई है। ऐसी दो महिला 2 सालों से पेंशन का लाभ ले रही हैं। इसका खुलासा होने पर अब विभाग में हड़कंप मच गया है। वहीं प्रकरण की जांच के आदेश जारी कर दिए गए हैं।

ये मामला गोवर्धन तहसील के कस्बा राधाकुंड का है। यहां की रहने वाली बंगाली महिलाओं द्वारा विधवा पेंशन का लाभ लिया जा रहा है। दोनों ही महिलाएं की शादी नहीं हुई है। हालांकि इसके बावजूद उनके द्वारा पति की मृत्यु दर्शाकर दो वर्ष से विधवा पेंशन ली जा रही थी।

अपहरण के बाद पत्थर से कूचकर किशोर की हत्या, बदमाशों ने मांगी थी 50 लाख की फिरौती

चित्रकूट. चित्रकूट से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां फिरौती की रकम नहीं मिलने पर बदमाशों ने किशोर को पत्थर से कूचकर मार डाला। सूचना मिलने पर मौके पर पहुँची पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई। इस मामले में एसपी ने बताया कि कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। यह घटना जिले के रैपुरा का है। राजधर कोटार्य का 16 साल का बेटा सुधांशु गांव के ही एक स्कूल में नौवीं क्लास में पढ़ता था। वहीं पिता कानपुर में पान मसाला लेकर कारोबार करते थे। 10 फरवरी को भी पिता राजधर कानपुर गए हुए थे। उसी दिन अचानक सुधांशू घर से गायब हो गया। सोमवार सुबह उनके पास फोन आया कि उनका बेटे को किडनैप कर लिया गया है। फोन करने वाले ने 50 लाख की फिरौती मांगी। सोमवार दोपहर में दोबारा फोन कर अपहर्ता ने आधे घंटे में फिरौती की रकम बेड़ी पुलिया के पास पहुंचाने को कहा, साथ में धमकी दी कि रकम नहीं पहुंची तो बेटे को जान से मार देंगे। इसके बाद पत्नी मंजू ने थाने पहुंचकर पुलिस को घटना बताई। पदेर शाम पुलिस ने कर्वी क्षेत्र में देवांगना घाटी के गढ़ीवा से सटे जंगल में सुधांशु का शव बरामद किया।

किसान आंदोलन के बीच राहुल गांधी का वादा-

कांग्रेस देगी MSP की कानूनी गारंटी

नई दिल्ली. किसानों के आंदोलन के बीच राहुल गांधी ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनी तो हम एमएसपी की कानूनी गारंटी देंगे। राहुल गांधी ने ट्वीट किया, 'किसान भाइयों आज ऐतिहासिक दिन है! कांग्रेस ने हर किसान को फसल पर स्वामीनाथन कमीशन के अनुसार MSP की कानूनी गारंटी देने का फैसला लिया है। यह कदम 15 करोड़ किसान परिवारों की समृद्धि सुनिश्चित कर उनका जीवन बदल देगा। न्याय के पथ पर यह कांग्रेस की पहली गारंटी है।' राहुल गांधी ने एक जनसभा में भी यही बात दोहराई और कहा कि किसान कुछ और नहीं मांग रहे हैं। वह अपना हक ही मांग रहे हैं। इसी मांग के लिए वह दिल्ली की ओर जा रहे

हैं तो उन्हें रोका भी जा रहा है।

राहुल गांधी ने कहा, 'स्वामीनाथन जी ने अपनी रिपोर्ट में साफ कहा है कि किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी मिलनी चाहिए। मैं यहां यह कहना चाहता हूं कि INDIA अलायंस की सरकार बनेगी तो हम स्वामीनाथन जी की रिपोर्ट पर अमल करेंगे। हम आपको MSP की गारंटी देंगे।' यही नहीं राहुल गांधी ने कहा कि यह तो हमने पहली बात ही कही है। हमारा घोषणापत्र बन रहा है और उसमें हम किसानों एवं मजदूरों के लिए बहुत सी बातें ला रहे हैं। इस तरह राहुल गांधी ने साफ कर दिया कि किसानों की MSP की मांग को कांग्रेस पार्टी चुनावी मुद्दा बनाएगी। इससे पहले सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन जैसे मसले पर भी कांग्रेस वादा कर चुकी है। जानकार मानते हैं कि कांग्रेस के पास किसी खास वर्ग का वोट नहीं बचा है। ऐसे में वह किसान, कर्मचारी और मजदूरों के नाम पर चुनाव में उतरने की रणनीति पर काम कर रही है। राहुल गांधी ने भी अपने वादे में इसकी झलक दे दी।

हक तो नहीं पर एक सीट दे देंगे

- AAP ने कांग्रेस के सामने रख दी बड़ी शर्त
- गुजरात में 8 पर दावा

नई दिल्ली. कांग्रेस के साथ सीट शेयरिंग पर बातचीत आगे नहीं बढ़ने से नाराज आम आदमी पार्टी (आप) ने जो रुख जाहिर किया है उससे विपक्षी इंडिया गठबंधन में एक और टूट का खतरा बढ़ गया है। आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के सामने अपनी शर्तें रखते हुए साफ कर दिया है कि मंजूर नहीं किए जाने पर पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी। पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी (पीएसी) की बैठक के बाद आप ने जहां दिल्ली में कांग्रेस को महज एक सीट देने की पेशकश

की है तो गुजरात में 8 सीटों पर दावा ठोक दिया है। आम आदमी पार्टी ने गोवा और गुजरात की तीन सीटों पर उम्मीदवारों की भी घोषणा कर दी और कहा कि दिल्ली में कांग्रेस ने प्रस्ताव मंजूर नहीं किया तो प्रत्याशियों की घोषणा कर दी जाएगी।

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संदीप पाठक ने कहा कि इंडिया अलायंस के विचार से पूरा देश उत्साहित हुआ था। बहुत बड़े वर्ग में उम्मीद जागी थी। इंडिया अलायंस का उद्देश्य था कि सभी विपक्षी दल अपने राजनीतिक हितों की चिंता छोड़कर देशहित में साथ लड़ें और देश को अच्छी सरकार दें। आम आदमी पार्टी की भी यही मंशा थी। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए संदीप पाठक ने कहा, 'सीट शेयरिंग पर कांग्रेस के साथ दो आधिकारिक बैठक हुई और बातचीत हुई। लेकिन नतीजा नहीं निकला। इन दो बैठकों के अलावा पिछले एक महीने में कोई बैठक नहीं हुई। एक महीना हो गया इंतजार करते हुए। हमें बताया गया कि यात्रा चल रही है, हम इंतजार करते रहे। कांग्रेस के प्रमुख नेताओं को भी नहीं पता कि कब बैठक होगी। ऐसे में मन में चिंता होती है कि इस तरह चुनाव जीतना तो मुश्किल हो जाएगा। इसी वजह से आज भारी मन से बैठा हूं।'

राज्यों में डिप्टी CM की नियुक्ति असंवैधानिक नहीं -सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली. उपमुख्यमंत्री के पद को असंवैधानिक बताते हुए उसे खारिज करने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला दिया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि यह पद संविधान में तो नहीं है, लेकिन इससे किसी नियम का उल्लंघन भी नहीं होता है। इस तरह अदालत ने उस जनहित याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें डिप्टी सीएम के पद को खत्म करने की मांग की गई थी। अदालत ने कहा कि भले ही डिप्टी सीएम के पद का जिक्र संविधान में नहीं मिलता है। लेकिन इस पद पर सत्ताधारी दल या फिर गठबंधन की किसी पार्टी के नेता को नियुक्त करना अवैध भी नहीं है। इससे संविधान के किसी प्रावधान की अवहेलना नहीं होती।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने कहा कि एक डिप्टी सीएम विधायक और मंत्री होता है।

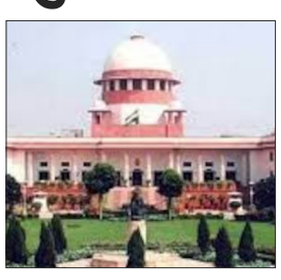

उसे डिप्टी सीएम इसलिए कहा जाता है ताकि सत्ताधारी पार्टी या फिर गठबंधन के किसी दल के नेता को सम्मान दिया जा सके। इस पद का भले ही संविधान में कोई जिक्र नहीं है, लेकिन इससे संविधान की अवहेलना भी नहीं होती। बेंच ने कहा, 'कई राज्यों में उपमुख्यमंत्रियों की नियुक्ति की परंपरा चल रही है। इससे पार्टियां अपने वरिष्ठ नेताओं को थोड़ा सम्मान दे

देती हैं। यह असंवैधानिक नहीं है।'इसके साथ ही बेंच ने कहा कि डिप्टी सीएम भी अन्य मंत्रियों की तरह ही कैबिनेट की बैठकों में हिस्सा लेते हैं और उनके मुखिया सीएम ही होते हैं।

याची अधिवक्ता ने कहा था कि कई राज्यों ने यह गलत परंपरा शुरू की है। संविधान में डिप्टी सीएम जैसा कोई पद नहीं है। फिर भी नेताओं को यह पद दिया जा रहा है। अधिवक्ता का कहना था कि यह नियुक्तियां गलत हैं। इसके अलावा ऐसी नियुक्ति मंत्रियों के बीच समानता के सिद्धांत के भी खिलाफ हैं।

बहस तो दूर संसद में चूं तक नहीं करते ये सांसद

5 साल एकदम 'खामोश' ही रहे शत्रुघ्न सिन्हा

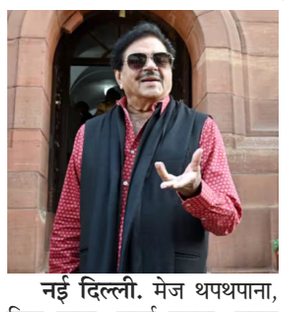

नई दिल्ली. मेज थपथपाना, बिल लाना, चर्चा बढ़ना, बहस करना जैसी कई गतिविधियों की गवाह संसद बनती है। इसमें कुछ नया भी नहीं है और अधिकांश सांसद इसमें शामिल भी नजर आते हैं। अब इनमें कुछ सदस्य ऐसे भी हैं, जो बहस तो दूर की बात, बल्कि चुप्पी साधे बैठे रहते हैं। इनमें भारतीय जनता पार्टी से सांसद सनी देओल से लेकर तृणमूल कांग्रेस के शत्रुघ्न सिन्हा तक का नाम शामिल है।

कहा जा रहा है कि ऐसे सांसदों की संख्या करीब 9 है, जो पूरे 5 सालों के कार्यकाल के दौरान सदन को एक बार भी संबोधित नहीं कर सके। गुरदासपुर से सांसद देओल का नाम भी इस सूची में है। हालांकि, असनसोल सांसद सिन्हा कुछ मौकों पर संसद में नजर भी आए। साथ ही वह विपक्षी सांसदों की तरफ से किए जा रहे प्रदर्शनों का हिस्सा भी बने।

इस दौरान सिन्हा ने एक बार भी कोई सवाल दाखिल नहीं किया। साथ ही वह अपने क्षेत्र से जुड़े मुद्दे को उठाने में भी असफल रहे।

चुप्पी में उस्ताद हैं ये सांसद

सदन की कार्यवाही में शामिल नहीं होने वाले सांसदों में बीजापुर से भाजपा सांसद रमेश चंद्रप्पा जीगाजिनागी, बहुजन समाज पार्टी से अतुल राय, टीएमसी के दिब्येंदु अधिकारी और भाजपा से ही प्रधान बरुआ, बीएन बचे गौड़ा, अनंत कुमार हेगड़े और वी श्रीनिवास प्रसाद का नाम शामिल है।

ओम बिरला कर रहे हैं प्रयास

खबर है कि लोकसभा स्पीकर बनने के बाद से ही ओम बिरला ने पहली बार बने सांसदों की सूची तैयार की थी। उन्होंने सभी को कम से कम एक बार सदन में बोलने के लिए प्रेरित भी किया था। हालांकि, उनके तमाम प्रयासों के बाद भी ऐसे कई सांसद रहे, जो साल 2019 से लेकर 2024 के बीच संसद में एक भी भाषण नहीं दे सके।

मणिशंकर अय्यर बोले-

पाकिस्तानी प्रेम बरसाते हैं

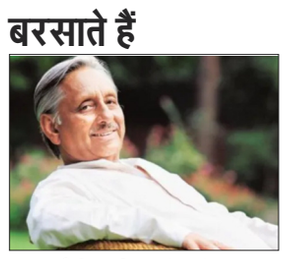

नई दिल्ली. कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व भारतीय राजनयिक मणिशंकर अय्यर ने पाकिस्तान की तारीफ की है। उन्होंने कहा- पाकिस्तान के लोग प्यार मिलने पर प्यार बरसाते हैं। मैं अब तक जिस भी देश में गया, वहां इतना खुले दिल से स्वागत नहीं किया गया, जितना पाकिस्तान में हुआ।

पाकिस्तानी मीडिया डॉन के मुताबिक, अय्यर ने कहा- मेरे अनुभव से, पाकिस्तानी ऐसे लोग हैं जो शायद दूसरे पक्ष पर जरूरत से ज्यादा प्रतिक्रिया करते हैं। यदि हम दोस्ती दिखाते हैं तो पाकिस्तानी उससे ज्यादा दोस्ती दिखाते हैं। यदि हम दुश्मनी दिखाते हैं तो वो ज्यादा दुश्मनी दिखाते हैं।

कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर लाहौर के अलहमरा में फैज महोत्सव में शामिल होने पहुंचे थे। इसी कार्यक्रम में 'हिज्र की राख, विसाल के फूल, भारत-पाक मामले' वाले सत्र के दौरान उन्होंने यह टिप्पणी की। अय्यर ने पाकिस्तान के लोगों को भारत के लिए सबसे बड़ी संपत्ति भी बताया।

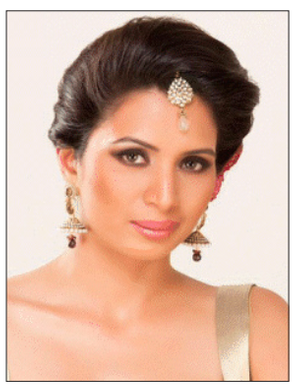

सिंगर मल्लिका राजपूत का कमरे में शव मिला

सुल्तानपुर. सुल्तानपुर में एक्ट्रेस और सिंगर विजय लक्ष्मी उर्फ मल्लिका राजपूत का शव मिला है। शव उनके घर में पंखे से फंदे पर लटका था। वारदात के वक्त मां और पिता घर पर थे। कमरे का दरवाजा खुला था। मां ने बताया कि रात को बेटी से थोड़ी बहस हुई थी। सुबह देखा तो कमरे में उसका शव लटका था। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

फॉरेंसिक जांच के बाद कमरे की सील कर दिया है। मल्लिका राजपूत सुल्तानपुर के सीताकुंड इलाके की रहने वाली थी। वह मुंबई शिफ्ट हो गई थीं। हालांकि, इधर काफी दिनों से सुल्तानपुर में थीं। मल्लिका सिंगर शान और कंगना रनौत के साथ काम कर चुकी थी। कंगना के साथ फिल्म रिवॉल्वर रानी में स्क्रीन शेयर की। इसके अलावा, दो वेब सीरीज, 600 से ज्यादा गजलें गा चुकी थीं। जगजीत सिंह और अनूप जलोटा के साथ भी उन्होंने काम किया। 40 साल की मल्लिका माता-पिता के साथ रहती थी। मां सुमित्रा सिंह ने बताया कि सोमवार रात को उनकी बेटी से बहस हुई थी। इसके बाद हम सभी लोग कमरे में सोने चले गए। मल्लिका ने भी कमरा बंद कर लिया। मां ने बताया कि सुबह जब काफी देर तक नहीं उठी तो उसके कमरे में गए। वहां दरवाजा सटा हुआ था।

केएल राहुल राजकोट टेस्ट से हुए बाहर

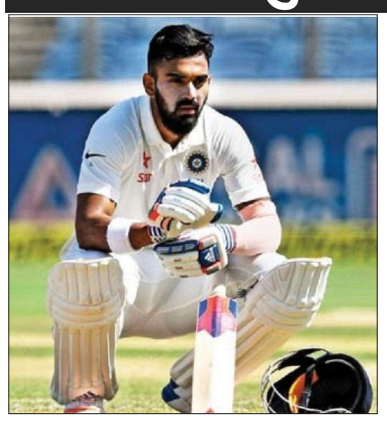

- NCA में चोट से रिकवरी कर रहे
- उनकी जगह देवदत्त पडिक्कल स्क्वॉड में शामिल

भारतीय क्रिकेट टीम के मिडिल ऑर्डर बैटर केएल राहुल राजकोट में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह देवदत्त पडिक्कल को टीम में शामिल किया गया हैं। BCCI ने सोमवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की।

राहुल फिलहाल नेशनल क्रिकेट एकेडमी (NCA) में रिहैब कर रहे हैं। पहले टेस्ट के बाद केएल राहुल को थाई में दर्द की शिकायत आई थी। राहुल पहले टेस्ट में इंजर्ड होने के बाद दूसरा मुकाबला नहीं खेल सके थे। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 टेस्ट की सीरीज का तीसरा मुकाबला राजकोट में 15 फरवरी से खेला जाएगा।

पडिक्कल के पास डेब्यू का मौका

कर्नाटक के देवदत्त पडिक्कल के पास भारतीय टेस्ट टीम में डेब्यू का मौका है। पडिक्कल इससे पहले भारत के लिए टी-20 क्रिकेट खेल चुके हैं। पडिक्कल कर्नाटक के टॉप प्लेयर्स में से एक हैं। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 31 मैचों में इनके 2227 रन हैं, जिसमें 12 अर्धशतक और 6 शतक शामिल हैं। इस रणजी सीजन में अब तक देवदत्त पडिक्कल ने 92.66 की औसत से 556 रन बनाए हैं।

राहुल के साथ जडेजा भी NCA की निगरानी में

केएल राहुल के साथ ही रवींद्र जडेजा भी बेंगलुरु में **NCA** की निगरानी में हैं, जहां वे रिकवरी कर रहे हैं। दोनों की फिटनेस रिपोर्ट अभी नहीं आई है। जडेजा हैदराबाद टेस्ट के चौथे दिन इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स के डायरेक्ट हिट से रन आउट हो गए थे। पवेलियन लौटने के दौरान उन्हें चलने में दिक्कतें हुई थीं।

प्रियंका को रायबरेली से चुनाव लड़ाने की तैयारी

- राजस्थान से सोनिया को राज्यसभा भेजने की संभावना
- खड़गे के घर कांग्रेस की बैठक में चर्चा

नई दिल्ली. लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस की जनरल सेक्रेटरी प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश की रायबरेली सीट से चुनाव लड़ सकती हैं। यहां से कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी 2004 से चुनाव लड़ती आ रही हैं। सूत्रों के मुताबिक इस बार पार्टी सोनिया को राजस्थान से राज्यसभा भेजने पर विचार कर रही है।

दरअसल, 27 फरवरी को होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष

मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर सोमवार शाम अहम मीटिंग हुई। इसमें सोनिया गांधी को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की खाली हो रही राज्यसभा सीट ऑफर करने पर चर्चा हुई। प्रियंका गांधी ने आज तक कभी चुनाव नहीं लड़ा है। रायबरेली की सीट कांग्रेस की सबसे सुरक्षित सीट मानी जाती है। 1952 के पहले लोकसभा चुनाव के बाद से कांग्रेस यहां सिर्फ तीन बार हारी है।

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए भाजपा ने प्रत्याशियों की सूची को अंतिम रूप देना शुरू दिया है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि विपक्षी दलों के कद्दावर नेताओं के संभावित चुनाव क्षेत्र के लिए नए चेहरे को उतारने की तैयारी है।

इनमें राहुल गांधी, सोनिया गांधी, अखिलेश यादव, कनिमोई, अभिषेक बनर्जी, मल्लिकार्जुन खड़गे आदि के खिलाफ संभावित 3-3 प्रत्याशियों की सूची को अंतिम रूप दे दिया गया है। सबसे पहले दक्षिण भारतीय राज्यों के प्रत्याशियों की सूची जारी होगी।

हेमंत सोरेन की याचिका पर अब 27 फरवरी को सुनवाई

रांची. झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की याचिका पर रांची हाईकोर्ट में आज सुनवाई हुई। इस मामले में अगली सुनवाई अब 27 फरवरी को होगी। हेमंत सोरेन की ओर से सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल, झारखंड के महाधिवक्ता राजीव रंजन और अधिवक्ता पीयूष चित्रेश ने पक्ष रखा। वहीं ईडी की ओर से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू, अधिवक्ता एके दास ने पैरवी की।

आम सूचना

हम श्री राजेश जयरामदास चौईथरामानी व श्रीमती सोनिया राजेश चौईथरामानी सभी को सूचित कर रहे हैं कि फ्लैट नं. 104, पहला माला, साई आशाराम, ए विंग, यू नं.56, शीट नं. 46, सेक्शन 6-ए, उल्हासनगर-2. (टैक्स नं. 23बीआय017534400) उक्त प्रॉपर्टी मैंने श्रीमती मीनाबाई बंसीलाल कुकरेजा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 22.1.2024 द्वारा हमें खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री राजेश जयरामदास चौईथरामानी
व श्रीमती सोनिया राजेश चौईथरामानी

स्वातंत्र्याचा अमृत महोत्सव
स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर

अंबरनाथ नगरपरिषद, अंबरनाथ

जा.क्र. : अंनप/घरपट्टी/2023-24/2184 दि. 13/02/2024

जाहीर सूचना

अंबरनाथ शहरातील सर्व मिळकत धारकांना कळविण्यांत येते की, अंबरनाथ नगरपरिषदेच्या हद्दीतील संपूर्ण मालमत्तांचे सन 2023-24 हे आर्थिक वर्ष चतुर्थ वार्षिक कर आकारणी वर्ष असल्याने नियमानुसार अंबरनाथ नगरपरिषदेद्वारे महाराष्ट्र नगरपरिषदा, नगरपंचायती व औद्योगिक नगरी अधिनियम 1965 चे कलम 114 व 115 अन्वये चतुर्थ वार्षिक कर निर्धारण करण्याची प्रक्रिया सुरु करण्यात आलेली आहे. सदरचे काम मे. आरपी ग्रुप, नागपूर यांना देण्यात आलेले आहे. त्याप्रमाणे संबंधितांना ओळखपत्र देण्यात आलेली आहेत. सदर संस्थेचे सर्वेअर आपल्या मिळकतीचे मोजमाप, फ़ोटो व इतर माहिती घेण्यासाठी आपल्याकडे येतील. त्यांना वस्तुस्थितीजन्य व सत्य माहिती पुरविण्यात यावी आणि खालील नमूद कागदपत्रांची मागणी केल्यास ती त्यांना शासकीय कामासाठी म्हणून उपलब्ध करुन देण्यांत यावी.

1) घरपट्टीची पावती.
2) मालमत्ता धारक ओळखपत्र (आधार कार्ड / पॅन कार्ड / मतदान कार्ड / ड्रायव्हिंग लायसन्स)
3) मिळकतीचे कागदपत्रे.
4) बांधकाम मंजुरीची छायांकित प्रत.
5) इमारत पूर्णत्वाच्या दाखल्याची छायांकित प्रत.
6) घरमालकाचे / भोगवटादाराचे / भाडेकरुचे नाव.
7) मासिक भाडे / भाडे करारनामा.
8) मोबाईल नंबर व ई-मेल आयडी.
9) महावितरण (इलेक्ट्रिक) बिल.
10) पाणीपट्टी बिल.

वरील कागदपत्रांच्या मुळ प्रतीसह छायांकित प्रती सादर न केल्यास नियमानुसार उपलब्ध माहितीनुसार इमारतीची / मिळकतीची कर आकारणी केली जाईल, याची नोंद घ्यावी. सर्व्हेक्षणाप्रमाणे केलेली कर आकारणी संबंधित मिळकत धारकास बंधनकारक राहील आणि मिळकत धारकाने माहिती न दिल्यामुळे कर आकारणी झाल्यास त्यास कुठेही दाद मागता येणार नाही. ही बाब लक्षात घेता मिळकतदारांच्या हितसंबंधाच्या दृष्टीने नागरिकांनी उपरोक्त माहिती उपलब्ध करुन द्यावी व मिळकतीचे मोजमाप करण्यास सहकार्य करावे.

सील

सही/-
अतिरिक्त मुख्याधिकारी,
अंबरनाथ नगरपरिषद, अंबरनाथ.

संक्षेप...

2 बाइक चोरी

भिवंडी. भिवंडी शहर पुलिस थाना अंतर्गत 2 अलग-अलग बिल्डिंगों के नीचे से बाइक चोरी की 2 घटनाएं हुईं है. पहली घटना आसबीबी मस्जिद के पास, खदान रोड स्थित मेट्रो पैलेस बिल्डिंग के नीचे घटी है. यहां रहनेवाले हुसैन आजम खान (60) ने अपनी एचएफ डीलक्स बाइक (क्र. एमएच 05 डीयू 7326) अपनी बिल्डिंग के नीचे पार्क की थी, जहां से बाइक चोरी हो गई. जिसकी कीमत 30 हजार रुपए है. वहीं दूसरी घटना कुंडी निवास, सोनारपाड़ा, पद्मानगर में हुई है. यहां रहनेवाले मल्लेशाम राजेशाम कुंडी (37) की रॉयल इनफील्ड बुलेट (क्र. एमएच 04 एचआर 8300) 11 फरवरी से 12 फरवरी की दरम्यानी रात में उनकी बिल्डिंग के नीचे से चोरी हो गई. बुलेट की कीमत 45 हजार रुपए है.

अशोक चव्हाण भाजपा में शामिल

■ **राज्यसभा भेजे जा सकते हैं**

मुंबई. महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे अशोक चव्हाण मंगलवार को भाजपा में शामिल हो गए। उनके साथ कांग्रेस के पूर्व MLC अमर राजुलकर ने भी भाजपा की सदस्यता ली। डिप्टी CM देवेंद्र फडणवीस और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने दोनों को पार्टी की सदस्यता दिलाई।

सूत्रों के मुताबिक, चव्हाण को भाजपा राज्यसभा भेज सकती है। बताया जा रहा है कि वे कल नामांकन भी कर सकते हैं।

चव्हाण ने सोमवार को कांग्रेस से इस्तीफा दिया

भाजपा में आने से एक दिन पहले 12 फरवरी को चव्हाण ने कांग्रेस से इस्तीफा दिया था, इसके अलावा उन्होंने विधानसभा की सदस्यता से भी रिजाइन कर दिया था। पार्टी छोड़ने को लेकर उन्होंने कहा था कि उन्हें किसी से कोई शिकायत नहीं है। अगले दो दिन में वो आगे का फैसला लेंगे।

चव्हाण ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत में कहा- आज मैं अपने राजनीतिक करियर की एक नई यात्रा शुरू करने जा रहा हूं। मैं BJP में शामिल होने जा रहा हूं। मैं महाराष्ट्र भाजपा कार्यालय में डिप्टी CM देवेंद्र फडणवीस, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले की उपस्थिति में पार्टी की सदस्यता लूंगा।

देशमुख के हटने के बाद मुख्यमंत्री बने थे

चव्हाण दिसंबर 2008 से नवंबर 2010 तक दो बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे। दिसंबर 2008 में मुंबई आतंकी हमले के बाद जब दो बार के CM विलासराव देशमुख को पद से हटाया गया, तब चव्हाण को मुख्यमंत्री बनाया गया। इसके बाद 2009 के विधानसभा चुनाव में जीत के बाद कांग्रेस ने उन्हें दोबारा CM बनाया।

2010 में कारगिल शहीदों के परिजनों लिए मुंबई में बनाई गई इमारत आदर्श हाउसिंग सोसाइटी में चव्हाण के रिश्तेदारों को घर देने का आरोप लगा था। इसे आदर्श हाउसिंग सोसाइटी घोटाला नाम दिया गया। इस घोटाले के सामने आने के बाद अशोक चव्हाण को मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़नी पड़ी थी। अशोक चव्हाण महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री शंकरराव चव्हाण के बेटे हैं। महाराष्ट्र के इतिहास में पहली बार पिता और पुत्र दोनों ने मुख्यमंत्री पद संभाला। वे नांदेड़ से सांसद भी रह चुके हैं। वे महाराष्ट्र कांग्रेस कमेटी के महासचिव भी रह चुके हैं। वे महाराष्ट्र के संस्कृति विभाग, उद्योग, माइंस विभाग जैसी जिम्मेदारियां भी संभाल चुके हैं।

उद्धव बोले- यह कारगिल के शहीदों का अपमान

उधर, शिवसेना (**UBT**) सुप्रीमो उद्धव ठाकरे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगर चव्हाण को राज्यसभा भेजते हैं, तो यह कारगिल के शहीद सैनिकों का अपमान होगा। दरअसल, 2010 में कारगिल शहीदों के लिए मुंबई में आदर्श हाउसिंग सोसाइटी बनाई गई थी। उस समय चव्हाण महाराष्ट्र के **CM** थे। तब भाजपा ने चव्हाण पर इस सोसाइटी में अपने रिश्तेदारों को घर बांटने का आरोप लगाया था। चव्हाण को तब मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था।

मराठा आरक्षण पर शिंदे सरकार का फैसला

जल्द बुलाया जाएगा विधानसभा का विशेष सत्र

मुंबई. मराठा आरक्षण बढ़ाने को लेकर महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक 18 फरवरी के बाद सरकार विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने जा रही है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक यह विशेष सत्र 18 से 25 फरवरी के बीच बुलाया जा सकता है। इसके बाद विधानसभा का बजट सत्र भी चलना है। महीने के आखिरी में राज्य का बजट पेश होगा।

तय तारीख बताने के लिए महाराष्ट्र सरकार मराठा सर्वे रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। विधानसभा के विशेष सत्र से पहले पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट मंगलवार को कैबिनेट के सामने समीक्षा के लिए रखी जाएगी। इसके बाद इस रिपोर्ट को विशेष सत्र में सदन में पेश किया जाएगा। बता दें कि महाराष्ट्र सरकार ने मराठा कोटा को लेकर आंदोलन कर रहे मनोज जरांगे की मांगें मान ली थीं।

गोखले इंस्टिट्यूट फॉर पॉलिटिक्स ऐंड इकनॉमिक्स ने राज्य के लगभग 2.5 करोड़ परिवारों का सर्वे किया है। अब महाराष्ट्र स्टेट बैकवर्ड क्लास कमीशन इस सर्वे के परिणामों का विश्लेषण कर रहा है और उम्मीद है कि जल्द ही सरकार को रिपोर्ट सौंप देगा। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि रिपोर्ट मिलने के बाद विशेष सत्र की तारीख भी तय कर दी जाएगी। बताया जा रहा है कि इस सत्र के दौरान मराठा आरक्षण को लेकर सरकार विधेयक पेश करेगी। पहले भी दो बार सरकार विधानसभा में विधेयक लाकर मराठा कोटा देने का प्रयास कर चुकी है। हालांकि बाद में कोर्ट से रोक लग गई।

साल 2014 में तत्कालीन अशोक चह्वाण सरकार एक अध्यादेश लेकर आई थी जिसमें शिक्षा और सरकारी नौकरियों में 16 प्रतिशत मराठा आरक्षण का प्रवाधान था। यह नारायण राणे कमेटी की सर्वे रिपोर्ट पर आधारित था। कांग्रेस-एनसीपी सरकार में माणे मंत्री थे। बाद में बॉम्बे हाई कोर्ट ने इस आरक्षण पर रोक लगा दी। इसके बाद भाजपा और शिवसेना की सरकार सत्ता में आई। 2018 में देवेंद्र फडणवीस सरकार ने 16 प्रतिशत आरक्षण देने के लिएकानून बनाया। यह एमजी गायकवाड़ कमीशन की रिपोर्ट पर आधारित था। हालांकि 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने इसपर रोक लगा दी और कहा कि मराठा आरक्षण 50 फीसदी सीमा को पार कर रहा है।

अब गोखले इंस्टिट्यूट के सर्वे पर भी सवालिया निशान लगाए जा रहे हैं। जानकारों का कहना है कि इस सर्वे की क्वालिटी अच्छी नहीं है। बता दें कि आरक्षण की मांगों को लेकर सरकार द्वारा अध्यादेश का मसौदा जारी करने के बाद ही मनोज जरांगे पाटिल के नेतृत्व में मुंबई की ओर बढ़ रहे आंदोलनकारी पीछे लौटे थे। मराठा आरक्षण को लेकर मनोज जरांगे की मांग थी कि उन्हें फुलप्रूफ आरक्षण दिया जाए। इसके अलावा मराठों को कुनबी जाति प्रमाण पत्र देने वाला सरकारी आदेश पारित किया जा। आंदोलनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द किया जाए।

CM के हाथों विकास कार्यों का लोकार्पण

■ **कल्याण में सिटी पार्क का उद्घाटन**

■ **बीएसयूपी के लाभार्थियों को सौंपी घरों की चाबी**

उल्हास विकास संवाददाता

कल्याण. सोमवार को राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कल्याण और उल्हासनगर में विभिन्न लोक उपयोगी विकास कामों का लोकार्पण किया। उल्हासनगर में मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का लोकार्पण, कल्याण में सिटी पार्क, इलेक्ट्रिक बसें और पार्किंग का लोकार्पण करने के साथ बीएसयूपी परियोजना के लाभार्थियों को घरों की चाबी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के हाथों दी गई। बतादें कि कल्याण डोंबिवली और उल्हासनगर महानगर पालिका द्वारा जनहित से जुड़े विकास कार्यों का लोकार्पण करने हेतु मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सोमवार को कल्याण के दौरे पर थे। सर्वप्रथम उन्होंने उल्हासनगर के म्हारल में मनपा द्वारा तैयार किया गया मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का लोकार्पण किया। इसके बाद कल्याण पश्चिम के योगीधाम में स्थित सिटी पार्क का उदघाटन किया। वही कल्याण पश्चिम में रेलवे स्टेशन के पास दिलीप कपोते मल्टीलेवल पार्किंग का लोकार्पण भी मुख्यमंत्री की उपस्थिति में किया गया।

कल्याण के आचार्य अत्रे हाल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बीएसयूपी परियोजना के लाभार्थियों को घरों की चाबी सौंपी। बतादें कि सड़क निर्माण में बाधित हुए सैकड़ो लाभार्थी अपने हक के घर की राह देख रहे थें। हाल ही में लॉटरी सिस्टम के जरिए 461 लाभार्थियों के नाम की चिट्ठी निकाली गई थी, उनमें से पांच लाभार्थियों को कार्यक्रम के मंच पर सीएम के हाथों से चाबी दी गई। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल, सांसद डॉ.श्रीकांत शिंदे, राज्य के लोक निर्माण मंत्री रविंद्र चव्हाण, महानगरपालिका की आयुक्त डॉ.इंदुरानी जाखड़, विधायक विश्वनाथ भोईर, बीजेपी के जिला अध्यक्ष नरेंद्र उर्फ नाना सूर्यवंशी सहित तमाम लोग उपस्थित थे।

स्वच्छता को महत्व देने की अपील

अपने भाषण के दौरान सीएम शिंदे ने कहा कि यह कहना गलत नहीं होगा कि, आज केडीएमसी के माध्यम से शहर में विकास की गंगा बह रही है। उन्होंने यह भी कहा कि इस साल महाराष्ट्र को स्वच्छता पुरस्कार मिला है। हमारा यह दायित्व बनता है कि हम शहरों को भी स्वच्छ बनाएं। मुख्यमंत्री ने मनपा आयुक्त डॉ.इंदुरानी जाखड़ से अपील की है, कि वे शहर की स्वच्छता को महत्व दें।

'नमो महारोजगार' मेले का ठाणे में आयोजन

■ **जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान करने की योजना**

ठाणे. जिले में बेरोजगार युवक युवतियां को रोजगार देने के लिए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में ठाणे जिले में कोकण विभागस्तरीय एक बैठक हुई. और मुख्यमंत्री ने स्नमो महारोजगारस्मेले का आयोजन करने का निर्देश दिया.इसी के तहत 24-25 और 26 फरवरी को ठाणे के हाईलैंड मैदान,ढोकाली में स्नमो महारोजगारस्मेला आयोजित होने जा रहा है.यह योजना महाराष्ट्र सरकार कौशल,रोजगार,उद्यमिता और नवीन नवाचार विभाग द्वारा चलाई जा रही है.इस योजना के माध्यम से 1 लाख 50 हजार युवाओं को रोजगार देने का संकल्प लिया गया है.

जिला प्रशासन ने की रजिस्ट्रेशन कराने की अपील

जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. रूपाली सातपुते ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्नमो महारोजगारस्मेले को बढ़ावा देने के लिए एक योजना बनाई जा रही है.उन्होंने उम्मीदवारों से आवाहन किया है.इच्छुक उम्मीदवार अपने जिले में नौकरी पाने के लिए वेब पोर्टल **https://rojgar.mahaswayam.gov.in** के माध्यम से अपना रजिस्ट्रेशन कराए.इस संबंध में कोई समस्या हो तो संबंधित जिले के नोडल अधिकारी के हेल्पलाइन नंबर 1800 120 8040 पर संपर्क करें.

शीलफाटा उड़ान पुल का उद्घाटन

ठाणे. शिलफाटा चौक पर बने उड़ान पुल का उद्घाटन राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के हाथों सोमवार रात साढ़े 11 बजे हुआ । इस अवसर पर शिवसेना शिंदे गुट के वरिष्ठ नेता राजन किने समेत अन्य जनप्रतिनिधि और शिव सैनिक मौजुद थे। इस अवसर पर किने ने बताया कि ठाणे मनपा में सभा गृह नेता और स्थायी समिति का सभापति रहते हुए उड़ान पुल बनाने की मांग की थी, साथ ही लगातार प्रयास भी किया था। इसके अलावा तत्कालीन विधायक सुभाष भोईर ने भी आवाज उठाई थी।

इसके बाद कल्याण लोकसभा के सांसद श्रीकांत शिंदे द्वारा लगातार किए प्रयासों से यह काम शुरू हुआ । उनके प्रयास से निर्माणाधीन शील फाटा उड़ान पुल के पनवेल जाने वाले लेन का उद्घाटन महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के हाथों किया गया। जिस पर लगभग 46 करोड़ की लागत आने वाली है। एमएमआरडीए द्वारा यह उड़ान पुल तैयार किया गया है। जिसकी लंबाई 740 मीटर है और चौड़ाई 12 मीटर है। राजन किने ने बताया उड़ान पुल की शुरुआत होने से शिलफाटा जंक्शन में हो रही ट्रैफिक से लोगों को राहत मिलेगी।

हनुमान मंदिर में 1 लाख की चोरी

भिवंडी. सुभाष नगर स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर से अज्ञात चोर ने 1 लाख रुपए के पीतल व तांबे का घंटा, समई, बर्तन व अन्य सामान चोरी कर लिया. शांति नगर पुलिस चोर की तलाश कर रही है.

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आनंद रमेशचंद्र शुक्ला (48) सुभाष नगर स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर के पुजारी हैं. उन्होंने शिकायत दर्ज कराई है कि मंदिर की दीवार व पतरा के बीच खाली जगह से अज्ञात चोर ने मंदिर में प्रवेश किया. 11 फरवरी की रात 11 बजे से 12 फरवरी की सुबह 7 बजे के दरम्यान अज्ञात चोर ने 4 पीतल की घंटियाँ, 1 तांबे की थाली, 1 तांबे का लोटा, 1 पीतल के नाग की मूर्ति, 1 तांबे का नाग, 2 छोटे पीतल के दीपक, 3 जोड़ी पीतल के थाली, 1 गोल पीतल का कटोरा, 3 छोटे पीतल के कछुए, 4 पीतल की घंटियाँ। अग्निमाता मंदिर से लगभग 10 किलो वजन के 4 पीतल का घंटा, 1 पीतल की समई, दान पेटी आदि चोरी कर लिया. कुल चोरी हुए सामान की कीमत 1 लाख रुपए है. शांतिनगर पुलिस ने भादंसं की धारा 380 के तहत अपराध दर्ज किया है. पुलिस उप निरीक्षक सुरेश घुगे को जांच का जिम्मा सौंपा गया है.

'नमस्ते' एप के माध्यम से स्वच्छता कर्मियों को मिलेगा सरकारी योजना का लाभ

■ **40 स्वच्छता कर्मियों ने किया नाम दर्ज**

उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी वित्त व विकास महामंडल, सामाजिक न्याय सक्षमीकरण मंत्रालय भारत सरकार गृह निर्माण व शहरी व्यवहार मंत्रालय के सहयोग से मनपा सिवरेज व सेप्टीक टँक सफाई करने वाले कर्मचारियों के लिए 'नमस्ते' 'National Action for Mechnized Sanitation Ecosystem' का एप शुरू किया गया।इस एप से सिवरेज व सेप्टीक टँक सफाई करने वाले कर्मचारियों को सरकारी तमाम योजना की जानकारी मिलती रहेगी।शहर के कोपरी परिसर में इस एप पर 40 से अधिक कर्मचारियों ने अपना नाम रजिस्ट्रेशन किया।कोपरी के सीवरेज प्लांट पर किया गया प्रोफाइल शिविर में नमस्ते योजना का महाराष्ट्र समन्वय सोपान कदम व प्रियांका गांगुर्डे ने उपस्थित कर्मचारियों का रजिस्ट्रेशन किया। इस एप के माध्यम से स्वच्छता आधुनिकीकरण, कौशल्य विकास, कामगार व उनके परिवार के कल्याण के विषय में जानकारी दीया।

7 महीने के ब्रेक के बाद काम पर लौटीं सामंथा

साउथ की फेमस एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु 7 महीने के ब्रेक के बाद काम पर वापस लौट आई हैं। सामंथा ने अपने कमबैक की अनाउंसमेंट करते हुए एक वीडियो शेयर किया है। उन्होंने बताया कि अब वो हेल्थ पॉडकास्ट पर काम करेंगी।

36

वर्षीय एक्ट्रेस ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें उन्होंने कहा, 'हां, मैं काम पर लौट आई हूं..आखिरकार। इतने दिनों से मैं पूरी तरह से बेरोजगार थी। अब मैं अपने एक दोस्त के साथ कुछ मजेदार करने जा रही हूं। यह एक है हेल्थ पॉडकास्ट होगा। यह कुछ ऐसा है, जो मुझे वाकई बहुत पसंद है। मैं इसे लेकर बहुत इमोशनल और एक्साइटेड हूं कि यह अगले सप्ताह रिलीज हो रहा है। मुझे उम्मीद है कि आप में से कुछ को यह बहुत यूजफुल लगेगा। मुझे इस पर काम करने में बहुत मजा आया है।'

सामंथा ने 2022 में जानकारी दी थी कि वो ऑटो-इम्यून कंडीशन (मायोसाइटिस) से जूझ रही हैं और इसके बाद उन्होंने इलाज के लिए काम से ब्रेक ले लिया था। सामंथा की आखिरी रिलीज फिल्म खुशी थी जिसमें वो विजय देवरकोंडा के अपोजिट नजर आई थीं।

मातृभाषा में दी जाए शिक्षा : राज्यपाल बैस

HSNC विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में बोले महाराष्ट्र के गवर्नर

मुंबई। अध्ययन-अध्यापन का कार्य मातृ भाषा में इसकी व्यवस्था करना सभी शैक्षणिक संस्थानों का मूल कर्तव्य है। हमें इस बात को समझना होगा और उसके अनुसार कार्य योजना तैयार करनी पड़ेगी। उक्त उद्गार महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस ने एच एस एन सी विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में व्यक्त किये।

अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि मैंने पद संभालते ही प्रदेश के सभी कुलपतियों के साथ हुई बैठक में यह निर्देश दिया कि वे इंजीनियरिंग और मेडिकल की पुस्तकों को मराठी में उपलब्ध कराने को तत्काल व्यवस्था करें। एच एस एन सी विश्वविद्यालय की जिक्र करते हुए श्री बैस ने कहा कि भले ही यह कहा जा रहा है कि यह विश्वविद्यालय 4 साल पुराना है। लेकिन इससे संबंद्ध कॉलेजों को देखें तो यह कहना ज्यादा उचित है कि इसका इतिहास 70-75 साल का है। हमारी श्रद्धा है उन महान शिक्षाविदों के प्रति जो ख़ुद तो सिंध प्रांत से खाली हाथ आये लेकिन इस मायानगरी को शिक्षा रूपी अक्षय धन से समृद्ध करने का पुनीत कार्य किया। यदि हम इस विश्वविद्यालय की बात करें और इसकी उपलब्धियों को देखें तो हम कह सकते हैं कि इसका भविष्य बड़ा ही उज्ज्वल और समृद्ध है। अल्प समय में ही इस विश्वविद्यालय ने अपनी जो जगह बनाई है वह सराहनीय है।

विश्वविद्यालय के प्रोवोस्ट डॉ. निरंजन हीरानंदानी ने विश्वविद्यालय की वर्तमान उल्लेखनीय एवं भावी योजनाओं पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. (डॉ.) हेमलता बागला ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों, उपलब्धियों, परीक्षा परिणाम, शोध कार्य एवं प्रोत्साहन योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा पर्यावरण संरक्षण, समाज हित एवं जनहित में किये जा रहे प्रयासों पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला। इस अवसर पर कुलाधिपति रमेश बैस ने शीर्ष स्थान प्राप्त करने सभी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं उपाधि प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान 3607 विद्यार्थियों को स्नातक एवं स्नातकोत्तर की उपाधि प्रदान की गई।

द्वितीय दीक्षांत समारोह में एच एस एन सी बोर्ड के अध्यक्ष अनिल हरीश, निवर्तमान अध्यक्ष किशु मनसुखानी, ट्रस्टी माया साहनी, आमंत्रित कुलपति गण एवं उच्चाधिकारी, सभी संकायों के अधिष्ठाता, संबंद्ध कॉलेजों के प्राचार्य, उपप्राचार्य, बीओएस अध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक उपस्थित थे।

Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel उल्हास विकास NEWS
आपकी आवाज 15 सेकंड का वीडियो 9322233577
इस नंबर पर भेजकर हमारे न्यूज के जरिए अपनी समस्या प्रशासन तक पहुंचाएं।

आम सूचना

मैं श्रीमती प्रिया कमलेश तुलसाणी सभी को सूचित कर रही हूं कि फ्लैट नं. 203, साई मोहन विला, प्लॉट नं. 345, सामने श्याम सुंदर सोसायटी, उल्हासनगर-2. (टैक्स नं. 31बीआय020445300) उक्त प्रॉपर्टी मिस रिन्की कमलेश तुलसाणी के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 12.2.2024 सी.नं.484/2024 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती प्रिया कमलेश तुलसाणी

आम सूचना

मैं श्रीमती अरुणा दिपक जाधव सभी को सूचित कर रही हूं कि महादेव चाल, खोली नं. 4, बैरक नं. 1565 के पास, सतरामदास हॉस्पिटल के पास, सेक्टर 29, उल्हासनगर-4. (टैक्स नं. 46सीआय010360100) उक्त प्रॉपर्टी श्री प्रवीण मेघेरचंद जैन के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 10.10.2019 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती अरुणा दिपक जाधव

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099